प्रसारित - आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़, हाथरस, कासगंज, एटा, मैनपुरी, बुलंदशहर, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर | गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

साप्ताहिक
मोर्निंग सिटी
सच के साथ...

वर्ष - 10 अंक 19, 30 अगस्त से 26 अगस्त, 2025 मूल्य- 10 रुपये । पृष्ठ 8

जॉर्जिया के फैशन में झलकता है शाही अंदाज 8

जल्द बाजार में आएगा 'मेड इन इंडिया' चिप: पीएम मोदी

6जी पर भी तेजी से काम कर रही सरकार

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत में भी सेमीकंडक्टर की फैक्ट्रियां लगनी शुरू हो गई हैं। इस साल के अंत तक भारतीय चिप बाजार में आ जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है।

राष्ट्रीय राजधानी में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, हम 'मेड इन इंडिया 6जी' पर तेजी से काम कर रहे हैं। हम सब जानते हैं कि भारत में सेमीकंडक्टर का निर्माण 50-60 साल पहले शुरू हो सकता था, लेकिन हम वह अवसर चूक गए और यह सिलसिला लंबे समय तक चलता रहा। लेकिन आज हमने यह स्थिति बदल दी है। अब भारत में सेमीकंडक्टर की फैक्ट्रियां बन रही हैं और इस साल के अंत तक पहले मेड इन इंडिया चिप बाजार में आएगा।

उन्होंने आगे कहा, आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई बढ़ी अर्थव्यवस्था है। हम जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं। विशेषज्ञ कह रहे हैं कि आने वाले समय में भारत का वैश्विक विकास में योगदान लगभग 20 फीसदी हो जाएगा। भारत के इस विकास के पीछे जो मजबूती है, उसका कारण भारत में पिछले दस वर्षों में आई मैक्रोइकोनॉमिक स्थिरता है।

'भारत के बैंक पहले कहीं ज्यादा मजबूत'

प्रधानमंत्री ने कहा, आज हमारा व्यापार घाटा घटकर 4.4 फीसदी पर आने की उम्मीद है, जबकि हमने कोरोना जैसी बड़ी चुनौती का सामना किया है। आज हमारी कंपनियां पूंजी बाजार से रिकॉर्ड फंड जुटा रही हैं। हमारे बैंक पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हैं। महंगाई बहुत कम है, ब्याज दरें कम हैं। हमारा चालू खाता घाटा नियंत्रण में है। विदेशी मुद्रा भंडार भी बहुत मजबूत है। इतना ही नहीं, हर महीने लाखों घरेलू निवेशक एसआईपी के जरिए बाजार में हजारों करोड़ रुपये निवेश कर रहे हैं।

'11 वर्षों में पूरे हुए 60 से अधिक अंतरिक्ष मिशन'

मोदी ने आगे कहा, आपको यह जानकर खुशी होगी कि पिछले 11 वर्षों में 60 से ज्यादा अंतरिक्ष मिशन पूरे हो चुके हैं। अभी कई और मिशन कतार में हैं। इस साल हमने 'स्पेस डॉकिंग' की क्षमता भी हासिल की है। यह हमारे भविष्य के मिशनों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा, अब भारत गगनयान मिशन के जरिए अपने अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी कर रहा है और इसमें ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के अनुभव से हमें बहुत मदद मिलने वाली है... हम छोटे-मोटे बदलाव नहीं, बल्कि बड़े परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हमारे लिए सुधार कोई मजबूरी या संकट की स्थिति से उत्पन्न कदम नहीं है। यह हमारी प्रतिबद्धता और हमारा विश्वास है। उन्होंने आगे कहा, संसद का मानसून सत्र अभी समाप्त हुआ है। इस सत्र में आपने सुधार की निरंतरता देखी होगी।

शिपिंग और पोर्ट से जुड़े कानून मे किया बदलाव

प्रधानमंत्री ने कहा, इस सत्र में 60 साल पुराने आयकर कानून को सरल बनाते हुए इसमें भी सुधार किए गए हैं। इसी तरह, खनन से जुड़े कानूनों में भी कई संशोधन किए गए हैं। शिपिंग और पोर्ट से जुड़े कानून जो ब्रिटिश काल से चल रहे थे, उन्हें भी बदला गया है। अब जो सुधार हुए हैं, वे भारत की नीली अर्थव्यवस्था में पोर्ट-आधारित विकास को बढ़ावा देंगे। खेल क्षेत्र में भी नए सुधार हुए हैं। हम भारत को बड़े खेल आयोजनों के लिए तैयार कर रहे हैं। हम खेल अर्थव्यवस्था का पूरा तंत्र बना रहे हैं, इसलिए सरकार नई राष्ट्रीय खेल नीति भी लेकर आई है। उन्होंने आगे कहा, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में भी बड़ा सुधार किया जा रहा है। यह प्रक्रिया इस दिवाली तक पूरी कर ली जाएगी। इससे जीएसटी और आसान हो जाएगा।

थराली में बादल फटा... तहसील और कई घरों में घुसा मलबा

दो लापता, गाड़ियां दबीं; स्कूल बंद

चमोली/बड़कोट/उत्तरकाशी

उत्तराखंड के चमोली जिले में बादल फटने से तबाही मच गई है। थराली तहसील के टूनरी गदेरा में बादल फटने की खबर है। देर रात बादल फटने से थराली बाजार, कोटदीप, तहसील थराली परिसर में काफी मलबा आ गया है। इसके अलावा चेपड़ों और सागवाड़ा के अलावा कई इलाकों में भारी नुकसान हुआ है। राहत और बचाव कार्यों के लिए गौचर से एनडीआरफ और आईटीबीपी, ग्वालदम से एसएसबी रवाना हो गई है।

बादल फटने से घरों में मलबा आ गया है, दुकानों में भी नुकसान हुआ है। तहसील परिसर में कुछ गाड़ियां भी मलबे में दबी हैं। सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। एक युवती और एक बुजुर्ग लापता हैं। एनडीआरएफ की टीम मौके के लिए रवाना हो चुकी है। स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन की टीमें बचाव कार्य में जुटी हैं। थराली के तहसील परिसर राड़ीबगड़ में एक बरसाती गदेरा अचानक उफान पर आ गया। एसडीएम आवास मलबे से दब गया। एसडीएम समेत अन्य ने रात में ही आवास छोड़ दिया और सुरक्षित जगह पर चले गए। राड़ीबगड़ में गाड़ियों के मलबे में दबने की सूचना है। जानकारी के अनुसार, थराली तहसील के टूनरी गदेरा में बादल फटने से थराली तहसील परिसर में काफी मलबा आ गया, घरों में भी मलबा आ गया है, तहसील परिसर में कुछ गाड़ियां भी मलबे में दबी हैं। थराली के चेपड़ों में भारी नुकसान हुआ है। यहां तीन से अधिक दुकानें बहने की सूचना है। मलबे से कई घरों को नुकसान हुआ है। थराली बाजार भी मलबे से पट गया है। कई वाहन मलबे के साथ बहकर सड़क से लोगों के घरों तक पहुंच गए हैं। थराली-सागवाड़ा मार्ग भी बंद है। थराली- ग्वालदम मार्ग मिंग्गदेरा में बंद है।

सागवाड़ा गांव में एक व्यक्ति के मलबे में दबने की सूचना है। जबकि इसी गांव में 20 वर्षीय लड़की की मलबे में दबे होने की जानकारी मिल रही है। सूचना मिलने के बाद एसडीआरएफ की टीम गौचर से घटना स्थल के लिए रवाना हो गई है।

वहीं, आज तीनों विकासखंडों थराली, देवाल और नारायणबगड़ के सभी स्कूलों में भारी बारिश को देखते हुए अवकाश घोषित कर दिया गया है।

सीएम धामी ने जताया दुख

जनपद चमोली के थराली क्षेत्र में देर रात बादल फटने की दु:खद सूचना मिली। जिला प्रशासन, एसडीआरएफ, पुलिस मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्यों में जुटे हुए हैं। इस सम्बन्ध में निरंतर स्थानीय प्रशासन के संपर्क में हूं। और स्वयं स्थिति की गहन निगरानी कर रहा हूं। ईश्वर से सभी के सकुशल होने की प्रार्थना करता हूँ।

इंटरनेशनल ट्रेड शो: 500 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदार देखेंगे मेड इन यूपी की ताकत, आएंगे 80 देशों के बिजनेसमैन

लखनऊ

ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) में 80 देशों के 500 से अधिक खरीदारों के शामिल होने की उम्मीद है। इनमें से अब तक 75 देशों के 340 से ज्यादा ने आने की पुष्टि भी कर दी है। यूपीआईटीएस प्रदेश के उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार के दरवाजे खोलने वाला साबित होगा।

ट्रेड शो में ओडीओपी उत्पादों की विशेष प्रदर्शनी लगाकर इन्हें वैश्विक खरीदारों से सीधे जोड़ा जाएगा। इससे न सिर्फ स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को फायदा मिलेगा, बल्कि निर्यात और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। इसका उद्देश्य प्रदेश को निर्यात के मामले में शीर्ष पायदान पर ले जाना और निवेश आकर्षित करना है। सरकार चाहती है कि हर जिले का हुनर वैश्विक बाजारों तक पहुंचे। यूरोप से 110 ग्राहकों के आने की संभावना है। अब तक 88 ने सहमति दे दी है। पश्चिम एशिया से 100 ग्राहकों का लक्ष्य है जिसमें से 12 देशों के 76 खरीदार अपनी उपस्थिति सुनिश्चित कर चुके हैं। साउथ ईस्ट एशिया से 80 खरीदारों के आने की उम्मीद है। इनमें से पांच देशों के 10 खरीदार पुष्टि कर चुके हैं। शो में साउथ एशिया रीजन से 50 में से 30 खरीदार आने वाले हैं।

मुझे तूफानों से जूझने की आदत, आसुरी शक्ति से डरने वाली नहीं: दिल्ली सीएम

नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शनिवार को श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के वार्षिक दिवस समारोह में शामिल हुईं। इस दौरान सीएम ने जनसुनवाई के दौरान उनपर हुए हमले पर टिप्पणी की। सीएम ने अपने ऊपर हुए हमले पर बोलते हुए कहा कि मैं असुरी शक्तियों से डरने वाली नही हूं, मुझे तूफानों से जूझने की आदत है। उन्होंने कहा कि आज मेरे साथ दिल्लीवालों के प्यार और आशीर्वाद के रूप में बड़ी ताकत मौजूद है।

वहीं, सीएम रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आज रफ्छउ के 99वें वार्षिकोत्सव पर परिसर में शिक्षकों और छात्रों से संवाद का अवसर मिला। सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को ढेरों शुभकामनाएं। रफ्छउ परिवार को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ। एशिया के सर्वश्रेष्ठ कॉमर्स कॉलेज का यह गौरवशाली सफर हम सबके लिए गर्व का विषय है। कॉलेज जीवन की यादें सचमुच सुनहरी होती हैं। चाहे जीवन में हम कितनी भी ऊँचाइयाँ क्यों न छू लें, वे दिन हमेशा मन में ताजा रहते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा रही हूँ, इसलिए आज यह वातावरण मुझे अपने ही पुराने दिनों में लौटा ले गया। आज के युवाओं से अपील है कि अपने जीवन का एक हिस्सा राष्ट्र के उत्थान के लिए जरूर समर्पित करें। आइए, मिलकर एक नई, बेहतर और सशक्त दिल्ली बनाएं।'

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर 20 अगस्त की सुबह हमला हुआ था। दिल्ली सीएम हाउस में यह घटना घटी। सीएम हाउस में मुख्यमंत्री रेखा साप्ताहिक जनसुनवाई कर रहीं थीं। इसी दौरान करीब 40 साल के एक शख्स ने हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपी हमलावर को पकड़ लिया। हमले के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मुख्यमंत्री पर गुजरात के राजकोट निवासी राजेश खिमजी ने उनके सिविल लाइंस स्थित आवास पर हमला किया था।

सुशासन के लिए न्याय को सुगम और त्वरित बनाना होगा: सीएम योगी

लखनऊ

राजधानी लखनऊ में शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी न्यायिक सेवा संघ के 42वें सम्मेलन में भाग लिया। इस मौके पर उन्होंने न्यायिक सेवा संघ के लिए 50 करोड़ रुपये का कॉर्पस फंड देने की घोषणा की। कहा कि उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ ने 102 वर्षों के अपने इतिहास में अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं।

इस अवसर पर सीएम ने उपस्थित सभी न्यायमूर्तियों, अवकाश प्राप्त न्यायमूर्तियों और प्रदेश भर से आए न्यायिक अधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह अधिवेशन ऐसे समय में आयोजित हुआ, जब भारत अपने संविधान के अमृत महोत्सव वर्ष में प्रवेश कर चुका है। संविधान की मूल थीम 'न्याय, स्वतंत्रता और बंधुता' इस आयोजन का आधार है। जिस तरह महाकुंभ आध्यात्मिक और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है, उसी तरह यह अधिवेशन न्यायिक अधिकारियों की एकता और उनकी पेशेवर दक्षता को प्रदर्शित करता है। अपने संबोधन में सीएम ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को एक विकसित भारत के संकल्प के साथ जोड़ा है। हम राज्य में कार्य कर रहे हैं, तो विकसित भारत का विकसित उत्तर प्रदेश बनेगा। हम जनपद में कार्य कर रहे हैं, तो विकसित उत्तर प्रदेश का विकसित जनपद बनेगा। यदि हमें सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करना है तो हमें न्याय को सुगम और त्वरित बनाना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की मुख्य पीठ और लखनऊ में इसकी बेंच प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। सुशासन का लक्ष्य तभी प्राप्त हो सकता है, जब न्यायिक व्यवस्था समयबद्ध, सस्ती और सुलभ हो। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में जनपद और ट्रायल कोर्ट में 72 लाख मामलों का निस्तारण हुआ, जो एक बड़ी उपलब्धि है। हमारी गति जितनी तेज होगी, आम जनमानस में विश्वास उतना ही मजबूत होगा। इसके लिए सरकार हर स्तर पर सहयोग करने को तैयार है।

न्याय प्रक्रिया को और तेज करने की योजना

सीएम ने नए आपराधिक कानूनों, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के लागू होने का उल्लेख किया। जो 1 जुलाई 2024 से प्रभावी हुए। प्रारंभिक आशंकाओं के बावजूद, न्यायिक अधिकारियों ने इन्हें तत्परता से लागू किया। इससे ये कानून दंड पर आधारित न होकर न्याय की सुदृढ़ व्यवस्था पर केंद्रित साबित हुए। सीएम ने कहा कि डिजिटल बुनियादी ढांचे और आधुनिक तकनीक को न्यायिक व्यवस्था में शामिल करने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। ई-कोर्ट, ई-पुलिसिंग, ई-प्रिजन, ई-प्रॉसीक्यूशन और ई-फोरेंसिक के एकीकरण के लिए इंटरऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम पर काम चल रहा है। डेटा-बेस्ड विश्लेषण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) के उपयोग से लंबित मामलों को कम करने और न्याय प्रक्रिया को तेज करने की योजना है। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश इलाहाबाद हाईकोर्ट न्यायमूर्ति अरुण भंसाली, न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता, न्यायमूर्ति राजन राय, न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान, उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ के रणधीर सिंह, सभी जनपदों के न्यायाधीश समेत अवकाश प्राप्त न्यायमूर्ति गण व कई न्यायिक अधिकारीगण मौजूद रहे।

'सहकारी बैंकों में क्यूआर कोड से भुगतान का शुभारंभ...'

लखनऊ

राजधानी लखनऊ में शनिवार को सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने सहकारी बैंकों में क्यूआर कोड के जरिये भुगतान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम महात्मा गांधी मार्ग स्थित यूपी को-आपरेटिव बैंक लिमिटेड में हुआ। इस मौके पर मंत्री ने किसानों को हो रही खाद समस्या से लेकर विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि किसान सहकारी समिति पर खाद ले रहे हैं। इस बार पहले से ज्यादा खाद बांटी गई है।

मंत्री ने आगे कहा कि समितियों की मरम्मत भी कराई जा रही है। अब तक 980 सहकारी समिति की मरम्मत की गई। सपा शासनकाल में बंद समिति को चालू किया गया है। सभी को 10 लाख की मदद की गई है। हर जगह इंटरनेट की सुविधा दी जा रही है।

बिजली के लिए हम लोग सोलर लाइट लगवा रहे हैं। सभी बंद समितियां खोली जा रही हैं। दूसरी जगह से भी मैन पवार का इंतजाम किया जा रहा है।

अमेरिका के साथ व्यापार पर बोले जयशंकर

'किसानों और छोटे उत्पादकों के हित से समझौता नहीं होगा'

नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि भारत अमेरिका के साथ चल रही व्यापार वार्ता में कुछ 'रेड लाइन्स' तय किए हुए हैं। रेड लाइन्स मतलब एक ऐसी सीमा, जिसके पार कोई समझौता नहीं किया जा सकता। कार्यक्रम में विदश मंत्री ने आगे बोलते हुए कहा कि सरकार किसानों व छोटे उत्पादकों के हितों से किसी भी हाल में समझौता नहीं करेगी। उन्होंने साफ कहा कि यह हमारे लिए न सिर्फ आर्थिक, बल्कि सामाजिक सरोकारों से जुड़ा मुद्दा है और यही वार्ता में भारत की मूल प्राथमिकता है।

आर्थिक टाइम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम में बोलते हुए जयशंकर ने बताया कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत चल रही है। लेकिन इस वार्ता की सफलता या असफलता इस पर निर्भर करेगी कि भारत अपनी शर्तों पर कितना कायम रहता है। उन्होंने कहा कि हमारी 'रेड लाइन्स' किसानों और छोटे उत्पादकों से जुड़ी हैं, और सरकार का संकल्प है कि उनके हितों की रक्षा की जाएगी।

ट्रंप की विदेश नीति पर टिप्पणी

जयशंकर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्यशैली पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि ट्रंप जिस तरह से विदेश नीति को सार्वजनिक तौर पर चलाते हैं, वह पहले कभी नहीं देखा गया। यह परंपरागत अमेरिकी नीति से बड़ा बदलाव है और पूरी दुनिया इससे प्रभावित हो रही है। उन्होंने जोड़ा कि यह बदलाव केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर असर डाल रहा है।

व्यापार विवाद और रूसी तेल का मुद्दा

भारत-अमेरिका संबंधों में हाल ही में तनाव तब बढ़ा जब ट्रंप ने भारतीय सामान पर शुल्क दोगुना कर दिया। इसके अलावा, रूस से भारत द्वारा सस्ता कच्चा तेल खरीदने और उसे यूरोप व अन्य जगहों पर बेचने को लेकर भी अमेरिका ने आरोप लगाए। इस पर जयशंकर ने कहा कि अमेरिका का यह आरोप बेहद अजीब है, क्योंकि अगर उन्हें भारतीय तेल या पेट्रोलियम उत्पाद पसंद नहीं, तो वे खरीदें ही नहीं। उन्होंने कहा कि भारत किसी को खरीदने के लिए मजबूर नहीं करता, लेकिन अमेरिका और यूरोप खुद खरीदते हैं। जयशंकर ने इस धारणा को भी खारिज किया कि अमेरिका से तनाव के बीच भारत-चीन संबंध बेहतर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों रिश्तों को जोड़कर देखना गलत विश्लेषण है। भारत अपने पड़ोसी चीन से जुड़ी चुनौतियों को अलग ढंग से देखता है और इसका अमेरिकी व्यापार वार्ता से कोई लेना-देना नहीं है।

यूपी: दिवाली पर घर आने वाले लोगों को सौगात

60 से अधिक स्पेशल ट्रेनें देंगी राहत, रेलवे ने दी जानकारी

लखनऊ

दीपावली पर रेगुलर ट्रेनों में रिग्रेट होने से यात्रियों के लिए सफर का संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में स्पेशल ट्रेनों के भरोसे यात्रियों का सफर है। रेलवे प्रशासन 60 से अधिक स्पेशल ट्रेनों को चलाकर मुसाफिरों को राहत देने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए उत्तर व पूर्वोत्तर रेलवे से बोगियों, रैक की जानकारियां मांगी गई हैं।

अक्तूबर में दीपावली का पर्व मनाया जाना है। लखनऊ से दिल्ली व मुंबई रूट की ट्रेनों का रिजर्वेशन पिछले शनिवार को खुला है। अब दो महीने पहले रिजर्वेशन पीरिएड खुलता है। जबकि पहले बुकिंग चार महीने पहले होती थी। ऐसे में रिजर्वेशन शुरू होते ही रिग्रेट हो गया, जिससे यात्री न तो कन्फर्म न ही वेटिंग में टिकट पा सके। ऐसे में अब यात्रियों के लिए स्पेशल ट्रेनों का ही सहारा रह गया है। लिहाजा रेलवे बोर्ड यात्रियों को सुविधा देने के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाएगा, इसके लिए उत्तर, पूर्वोत्तर सहित सभी रेलवे जोनों से रैक व बोगियों का विवरण मांगा गया है। अनुमान के अनुसार उत्तर रेलवे के पास 750 से अधिक एवं पूर्वोत्तर के पास 280 बोगियां हैं, जिनका इस्तेमाल स्पेशल ट्रेनों में किया जा सकता है। स्पेशल ट्रेनों के चल जाने से त्यौहार पर यात्रियों की आवाजाही की राह आसान हो सकेगी। रेलवे बोर्ड के नए नियमों के अनुसार वेटिंग का कोटा कम कर दिया गया है, जिसकी वजह से यात्रियों की मुश्किलें डबल हो गई हैं। ट्रेनों में सीटें रिग्रेट हो जा रही हैं।

सम्पादकीय

दुरुस्त आए

सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों पर अपने ताजा आदेश में विभिन्न पहलुओं का ध्यान रखा है। फैसला इस मायने में संतुलित है कि इसमें सभी पक्षों के बीच सामंजस्य बनाते हुए समस्या का समाधान निकालने की कोशिश की गई है। शीर्ष अदालत ने इस बार व्यवहारिकता पर ज्यादा जोर दिया है, जबकि 11 अगस्त के फैसले में इसकी साफ कमी दिख रही थी। कोर्ट ने अपने ही फैसले को पलटते हुए MCD को आदेश दिया कि सभी स्ट्रे डॉग्स को नसबंदी और टीकाकरण के बाद उसी इलाके में छोड़ दिया जाए, जहां से उन्हें पकड़ा गया था। स्ट्रे डॉग्स की समस्या केवल दिल्ली या किसी खास इलाके तक सीमित नहीं है। देश के लगभग हर हिस्से में आवारा पशुओं और उनमें भी कुत्तों की बढ़ती आबादी को लेकर समय-समय पर चिंता जाहिर की जाती रही है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट के राष्ट्रीय नजरिये से मदद मिलेगी। यह बेहतर है कि अलग-अलग अदालतों के बजाय स्ट्रे डॉग्स से जुड़ी सारी याचिकाएं एक जगह सुप्रीम कोर्ट में सुनी जाएं। अदालत ने इसका पूरा ध्यान रखा है कि फैसले का अनुपालन करने में कोई समस्या न आए, लेकिन कुछ पॉइंट हैं, जहां परेशानी हो सकती है। आदेश के मुताबिक, स्ट्रे डॉग्स को सार्वजनिक रूप से खाना नहीं खिलाया जा सकेगा। फीडिंग जोन बनाने के लिए कहा गया है। हालांकि इससे डॉग लवर्स और उनका विरोध करने वालों के बीच तनाव देखने को मिल सकता है। देश की लगभग हर सोसायटी, कॉलोनी, गांव में ऐसे लोग होते हैं, जो स्ट्रे डॉग्स को खाना खिलाते हैं। नया टकराव पैदा किए बिना इन्हें कैसे रोका जाएगा, यह देखना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने आक्रामक और रेबीज वाले स्ट्रे डॉग्स को नहीं छोड़ने के लिए कहा है। रेबीज का पता लगाया जा सकता है, लेकिन आक्रामकता की परिभाषा क्या होगी? जब किसी स्ट्रे डॉग को पकड़ा जाएगा, तो स्वाभाविक तौर पर उस वक्त उसका व्यवहार आक्रामक होगा। अब तक का अनुभव यही कहता है कि संबंधित एजेंसियों और संस्थाओं के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश हों ताकि उनके लिए कोई बहानेबाजी न बचे। यह मुद्दा इतना गंभीर हुआ ही इसलिए, क्योंकि इस पर लगातार लापरवाही बरती गई। अब ज्यादा सख्ती और कड़ी निगरानी की जरूरत है।

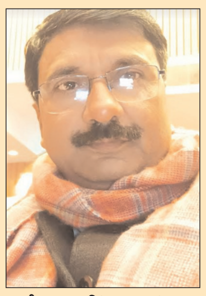

सुशील कुमार सिंह प्रधान संपादक

संसद संवाद और बहस का मंच है, हंगामे का नहीं

भारत का हर नागरिक संसद से अपेक्षा करता है कि वहां उसकी समस्याओं पर चर्चा होगी- बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसे मुद्दे प्राथमिकता पाएंगे। लेकिन जब टीवी स्क्रीन पर वह अपने प्रतिनिधियों को मेज थपथपाते, नारे लगाते और वेल में जाकर हंगामा करते देखता है तो उसका विश्वास टूटता है और मन आहत होता है। उसे लगता है कि जिन नेताओं को उसने वोट देकर भेजा था, वे उसके हितों की बजाय केवल राजनीति का खेल खेल रहे हैं। यही कारण है कि आज लोकतंत्र के प्रति आम नागरिक का मोहभंग बढ़ रहा है। वैसे भी यह मानसून सत्र ऐसे वक्त हो रहा था, जब भारत नई चुनौतियों से गुजर रहा है। विदेश और आर्थिक, दोनों मोर्चों पर हालात तेजी से करवट ले रहे हैं। ऐसे में और भी अहम हो जाता है कि संसद में इस पर सार्थक चर्चा होती और वाद-विवाद से रास्ता निकाला जाता। बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन-एसआईआर और ऑपरेशन सिंदूर पर कई सवाल बचे रह गए। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं अन्य मंत्रियों के सजा की स्थिति-यानी जेल में होने पर पद से हटाने वाले संविधान संशोधन विधेयक जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर जिस गंभीरता की जरूरत थी, वह नहीं दिखी।

ललित गर्ग

लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान उसकी संसद होती है। संसद वह संस्था है जहां जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि राष्ट्र की नीतियों, योजनाओं और कानूनों पर विचार-विमर्श करते हैं। यह वह सर्वोच्च मंच है जहाँ विभिन्न विचारधाराएं और दृष्टिकोण टकराते हैं और देशहित में समाधान निकलता है। लेकिन दुर्भाग्यवश आज भारतीय संसद की छवि हंगामे, तोड़फोड़, शोर-शराबे और गतिरोध का पर्याय बनती जा रही है। हाल ही में संपन्न मानसून सत्र इसकी बानगी था, जो आरंभ से अंत तक त्रासद हंगामे की भेंट चढ़ गया। यह सत्र बेहद निराशा एवं अफसोसजनक रहा, क्योंकि सरकार और विपक्ष में टकराव उग्र से उग्रत्तर हुआ। राज्यसभा में केवल 41.15 घंटे और लोकसभा में 37 घंटे काम हुआ। संवाद एवं सौहाई की कमी दिखी, कई सवाल अधूरे रहे, जिनका जवाब देश जानना चाहता था। यहां दोनों पक्षों से ज्यादा समझदारी, सौहार्द और संतुलित नजरिये की अपेक्षा थी, लेकिन देशहित को दोनों पक्षों ने नेस्तनाबूद किया। यह स्थिति केवल दुखद ही नहीं बल्कि लोकतंत्र के भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय भी है।

लोकसभा के मानसून सत्र के लिए कुल 120 घंटे चर्चा के लिये निर्धारित थे, लेकिन कार्यवाही मात्र 37 घंटे ही चल पाई। यानी 70 प्रतिशत से अधिक समय लोकसभा में और 61 प्रतिशत से ज्यादा समय राज्यसभा में हंगामे और शोर-शराबे की भेंट चढ़ गया। संसद में बिताया गया प्रत्येक घंटा जनता के करोड़ों रुपये की कमाई से संचालित होता है। जब वही समय व्यर्थ हो जाए तो यह सीधे-सीधे जनता के साथ अन्याय है। गुजरात के एक निर्दलीय सांसद ने यह प्रश्न उठाया भी कि जो सांसद हंगामा कर सदन को ठप कर देते हैं, क्या वे जनता के धन की बरबादी की भरपाई करेंगे? यह प्रश्न केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति हमारी गंभीरता की कसौटी भी है। काम कम, हंगामा अधिक-आखिर हमारे राजनीतिक दल एवं जनप्रतिनिधि लोकतंत्र की मयार्दा एवं आदर्श को तार-तार करने पर क्यों तुले हैं? कैसी विडम्बना है कि लोकसभा की कार्यवाही के लिए 419 तारांकित प्रश्न शामिल किए गए थे और इनमें से महज 55 का मौखिक उत्तर मिल सका। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है और आवश्यक भी। विपक्ष का काम ही है सवाल उठाना, सत्ता को जवाबदेह बनाना। लेकिन यह काम हंगामे, नारेबाजी और सदन की कार्यवाही बाधित करने से नहीं हो सकता। संसद संवाद का मंच है, न कि संघर्ष का अखाड़ा। दुर्भाग्य यह है कि आज बहस और तर्क की जगह हंगामे और टकराव ने ले ली है। इससे न तो जनता की समस्याओं पर गंभीर विमर्श हो पाता है और न ही संसद की गरिमा सुरक्षित रह पाती है। सत्र शुरू होने के पहले कार्य मंत्रणा समिति में सरकार और विपक्ष के बीच कुछ मुद्दों पर चर्चा की सहमति बनी थी। लेकिन, सत्र शुरू होने के साथ ही उसे भुला दिया गया। संसदीय परंपरा में विरोध भी अधिकार है, लेकिन इसकी वजह से सदन की गरिमा और उसके कामकाज पर असर पड़ना दुर्भाग्यपूर्ण एवं चिन्ताजनक है।

भारत का हर नागरिक संसद से अपेक्षा करता है कि वहां उसकी समस्याओं पर चर्चा होगी-बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसे मुद्दे प्राथमिकता पाएंगे। लेकिन जब टीवी स्क्रीन पर वह अपने प्रतिनिधियों को मेज थपथपाते, नारे लगाते और वेल में जाकर हंगामा करते देखता है तो उसका विश्वास टूटता है और मन आहत होता है। उसे लगता है कि जिन नेताओं को उसने वोट देकर भेजा था, वे उसके हितों की बजाय केवल राजनीति का खेल खेल रहे हैं। यही कारण है कि आज लोकतंत्र के प्रति आम नागरिक का मोहभंग बढ़ रहा है। वैसे भी यह मानसून सत्र ऐसे वक्त हो रहा था, जब भारत नई चुनौतियों से गुजर रहा है। विदेश और आर्थिक, दोनों मोर्चों पर हालात तेजी से करवट ले रहे हैं। ऐसे में और भी अहम हो जाता है कि संसद में इस पर सार्थक चर्चा होती और वाद-विवाद से रास्ता निकाला जाता। बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन-एसआईआर और ऑपरेशन सिंदूर पर कई सवाल बचे रह गए। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं अन्य मंत्रियों के सजा की स्थिति-यानी जेल में होने पर पद से हटाने वाले संविधान संशोधन विधेयक जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर जिस गंभीरता की जरूरत थी, वह नहीं दिखी।

संसद में हंगामे की प्रवृत्ति में केवल विपक्ष ही नहीं बल्कि सत्ता पक्ष भी अक्सर इसमें बराबर का भागीदार होता है। जब कोई दल विपक्ष में होता है तो वह विरोध के लिए हरसंभव कदम उठाता है, और जब वही दल सत्ता में आता है तो संसद की गरिमा की दुहाई देने लगता है। यह दोहरा रवैया लोकतंत्र को कमजोर करता है। संसद को सुचारुरूप से चलाना केवल सरकार की ही नहीं, बल्कि विपक्ष की भी जिम्मेदारी है। दोनों पक्षों को यह समझना होगा कि वे जनता के सेवक हैं, और जनता उनके कामकाज पर पैनी नजर रखती है। संसद में अनुशासन और मयार्दा बनाए रखने के लिए कठोर नियमों की आवश्यकता है। यदि कोई सांसद बार-बार हंगामा करता है, सदन की कार्यवाही बाधित करता है, तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। आर्थिक दंड एक प्रभावी उपाय हो सकता है। जिस प्रकार एक कर्मचारी को कार्यालय में अनुशासन भंग करने पर वेतन काटा जाता है, उसी प्रकार सांसद का भत्ता और सुविधाएं भी रोकी जानी चाहिए। तभी उन्हें यह समझ आएगा कि संसद खेल का मैदान नहीं बल्कि देशहित का पवित्र मंच है। कई बार सांसद यह तर्क देते हैं कि यदि उनकी आवाज संसद में नहीं सुनी जाती तो वे मजबूर होकर हंगामा करते हैं। लेकिन यह तर्क स्वीकार्य नहीं है। संसद में बोलने के लिए पर्याप्त अवसर मिलते हैं, शून्यकाल, प्रश्नकाल, विशेष उल्लेख, स्थायी समितियाँ-ये सभी मंच सांसदों को मुद्दे उठाने का अवसर देते हैं। यदि इन मंचों का सही उपयोग हो तो हंगामे की कोई आवश्यकता नहीं रहती। सड़क की राजनीति और संसद की राजनीति में अंतर होना चाहिए। यदि संसद भी सड़क जैसी दिखने लगे तो लोकतंत्र की पवित्रता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। अब समय आ गया है कि जनता अपने सांसदों से सवाल पूछे। मतदाता केवल जाति, धर्म या दल देखकर वोट न दें, बल्कि यह भी देखें कि उनका प्रतिनिधि संसद में कितना समय उपस्थित रहता है, कितनी बार बोलता है, कितने प्रश्न पूछता है और कितनी गंभीरता से बहस में भाग लेता है। चुनाव आयोग और मीडिया को भी यह आँकड़े मतदाताओं तक पहुँचाने चाहिए। जब मतदाता यह तय करने लगेंगे कि उनका वोट केवल उन नेताओं को जाएगा जो संसद में गंभीरता से काम करते हैं, तभी यह प्रवृत्ति बदलेगी।

लोकतंत्र की सफलता केवल संविधान या संस्थाओं से नहीं, बल्कि उन लोगों से होती है जो उन्हें संचालित करते हैं। यदि सांसद ही अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाएँगे तो लोकतंत्र खोखला हो जाएगा। आज आवश्यकता है कि सभी राजनीतिक दल एक साथ बैठकर यह संकल्प लें कि चाहे सत्ता में हों या विपक्ष में, वे संसद की गरिमा को आंच नहीं आने देंगे। असहमति और संघर्ष लोकतंत्र का हिस्सा हैं, परंतु वह असहमति तर्क और संवाद से होनी चाहिए, हंगामे और अव्यवस्था से नहीं। संसद में हंगामे की प्रवृत्ति लोकतंत्र की आत्मा पर प्रहार है। यह जनता की गाढ़ी कमाई की बरबादी है और उनकी उम्मीदों का अपमान भी। यह संसाधनों की बबार्दी एवं जनविश्वास का हनन है। चिंताजनक बात यह है कि संसदीय कार्यवाही का ऐसा अंजाम अब आम हो चुका है। पिछले शीत सत्र में ही लोकसभा के 65 से ज्यादा घंटे बर्बाद हुए थे। संसद सत्र को चलाने में हर मिनट ढाई लाख रुपये से ज्यादा खर्च होते हैं। ऐसे में सदन जब काम नहीं करता, तो जनता की गाढ़ी कमाई के इन रुपयों के साथ देश का बेहद कीमती समय भी जाया हो जाता है। संसद में केवल वही बहसें होनी चाहिए जो देश के भविष्य को दिशा दें, समस्याओं का समाधान निकालें और नीतियों को प्रभावी बनाएँ। यदि संसद ही शोरगुल और हंगामे का अखाड़ा बन जाए तो लोकतंत्र का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। विरोध भी जरूरी है, पर मुद्दों पर और सकारात्मक उद्देश्य के साथ।

भारत का सख्त रुख देखकर घबराया अमेरिका, ट्रंप प्रशासन बोला- यूक्रेन में शांति का रास्ता दिल्ली से होकर जाता है

नीरज कुमार दुबे

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच भारत की ऊर्जा नीति एक बार फिर अमेरिकी राजनीतिक बहस और दबाव का केंद्र बन गई है। ट्रंप प्रशासन ने भारत पर दोहरे आरोप लगाए हैं- एक ओर रूसी तेल खरीदकर युद्ध को लंबा खींचने का आरोप और दूसरी ओर मुनाफाखोरी की मानसिकता से वैश्विक शांति को नुकसान पहुँचाने का दावा। वहीं, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी तर्कों को न केवल खारिज किया बल्कि भारत की बढ़ी हुई अमेरिकी तेल खरीद का हवाला देते हुए इसे "विरोधाभासी और असंगत" बताया।

हम आपको बता दें कि व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने पत्रकारों से कहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप भारत पर अतिरिक्त 25% शुल्क जारी रखेंगे। उनका आरोप था कि भारत रूसी तेल खरीदकर उसे रिफाइन कर लाभ कमाता है और वही पैसा रूस हथियार बनाने में खर्च करता है, जिससे यूक्रेन पर हमले तेज होते हैं। नवारो ने यहां तक कहा कि भारत की भूमिका शांति बनाने की नहीं बल्कि युद्ध को आगे बढ़ाने की है। व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने कहा, "भारत पर 25% टैरिफ इसलिए लगाए गए क्योंकि वे व्यापार में हमारे साथ धोखा करते हैं। फिर 25% रूसी तेल के कारण लगाये गये।" उन्होंने कहा, "कई मायनों में, शांति का रास्ता नई दिल्ली से होकर गुजरता है।" हालांकि अमेरिकी टिप्पणीकारों ने इस तर्क को चुनौतियों से भरा बताया। उन्होंने याद दिलाया कि चीन भारत से कहीं अधिक रूसी तेल खरीदता है और यूरोपीय संघ भी रूस से ऊर्जा आयात करता रहा है। सवाल यह भी है कि अतीत में खुद अमेरिका ने ही भारत को वैश्विक ऊर्जा बाजार स्थिर रखने के लिए रूस से तेल लेने की सलाह दी थी। वहीं मास्को में रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ बैठक के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने साफ कहा, भारत न तो रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार है, न ही सबसे बड़ा गैस आयातक। यह भूमिका चीन और यूरोपीय संघ निभा रहे हैं। उन्होंने जोड़ा कि भारत ने हाल के वर्षों में अमेरिका से तेल आयात भी बढ़ाया है, इसलिए अमेरिकी आरोप तर्कसंगत नहीं हैं। जयशंकर ने यह भी दोहराया कि भारत का दृष्टिकोण बाजार की परिस्थितियों और ऊर्जा सुरक्षा पर आधारित है, न कि किसी राजनीतिक एजेंडे पर। इसके अलावा, जयशंकर की मॉस्को यात्रा के दौरान भारत और रूस ने अपने संबंधों को पुनः रेखांकित किया। दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार को संतुलित और टिकाऊ बनाने की प्रतिबद्धता जताई। साथ ही कृषि, फार्मा और वस्त्र जैसे क्षेत्रों में भारतीय निर्यात बढ़ाने पर जोर दिया गया। इसके अलावा, गैर-शुल्क बाधाओं और नियामकीय अवरोधों को हटाने पर सहमति बनी। साथ ही, जयशंकर ने रूस में भर्ती हुए भारतीय युवाओं का मुद्दा भी उठाया और लंबित मामलों को शीघ्र सुलझाने की अपेक्षा जताई।

हम आपको बता दें कि यूक्रेन पर भारत का रुख पहले की तरह ही संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देने वाला रहा है। भारत न तो रूस की आक्रामकता को सीधे समर्थन देता है, न ही पश्चिमी दबाव में अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं से समझौता करता है। यह संतुलन साधना कठिन है, लेकिन यही भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की मूलधारा है। बहरहाल, ट्रंप प्रशासन की आलोचनाओं से स्पष्ट है कि आने वाले महीनों में भारत-अमेरिका संबंधों में ऊर्जा नीति एक तनावपूर्ण मुद्दा बना रहेगा। परंतु जयशंकर का पलटवार यह संदेश देता है कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों और वैश्विक ऊर्जा स्थिरता दोनों पर समान रूप से ध्यान देगा। यह स्थिति एक बार फिर यह साबित करती है कि भारत अब केवल वैश्विक समीकरणों का हिस्सा भर नहीं है, बल्कि उन समीकरणों को आकार देने वाली शक्ति के रूप में उभर रहा है। साथ ही, शांति का रास्ता नयी दिल्ली से होकर जाता है वाले अमेरिकी बयान को देखें तो इसके पीछे यह समझ छिपी है कि मौजूदा हालात में भारत ही वह शक्ति है जो रूस और यूक्रेन दोनों से संवाद कर सकती है। हम आपको बता दें कि रक्षा, ऊर्जा और कूटनीतिक साझेदारी में भारत और रूस दशकों से घनिष्ठ सहयोगी रहे हैं। पुतिन और मोदी के बीच नियमित वार्ता होती रहती है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति जेलेंस्की से कई बार बात की है और अंतरराष्ट्रीय मंचों (G7, G20) पर यूक्रेन की संवेदनाओं को भी उठाया है। साथ ही भारत अमेरिका और यूरोप दोनों का करीबी रणनीतिक साझेदार है, परंतु पूरी तरह उनके खेमे में नहीं है। यही विश्वसनीय मध्यस्थ की छवि बनाता है।

जातक-कथा

तीन पुतले (भाग-2)

चन्द्रगुप्त ने जब देखा कि सभी चुप हैं तो उस ने वही प्रश्न अपने गुरू और महामन्त्री चाणक्य से पूछा। चाणक्य ने पुतलों को बहुत ध्यान से देखा और दरबान को तीन तिनके लाने की आज्ञा दी। तिनके आने पर चाणक्य ने पहले पुतले के कान में तिनका डाला। सब ने देखा कि तिनका सीधा पेट में चला गया, थोड़ी देर बाद पुतले के होंठ हिले और फिर बन्द हो गए। अब चाणक्य ने अगला तिनका दूसरे पुतले के कान में डाला। इस बार सब ने देखा कि तिनका दूसरे कान से बाहर आगया और पुतला ज्यों का त्यों रहा। ये देख कर सभी की उत्सुकता बढ़ती जा रही थी कि आगे क्या होगा। अब चाणक्य ने तिनका तीसरे पुतले के कान में डाला। सब ने देखा कि तिनका पुतले के मुँह से बाहर आगया है और पुतले का मुँह एक दम खुल गया।

पुतला बराबर हिल रहा है जैसे कुछ कहना चाहता हो। चन्द्रगुप्त के पूछ्ने पर कि ये सब क्या है और इन पुतलों का मूल्य अलग अलग क्यों है, चाणक्य ने उत्तर दिया। राजन, चरित्रवान सदा सुनी सुनाई बातों को अपने तक ही रखते हैं और उनकी पुष्टी करने के बाद ही अपना मुँह खोलते हैं। यही उनकी महानता है। पहले पुतले से हमें यही ज्ञान मिलता है और यही कारण है कि इस पुतले का मूल्य एक लाख मोहरें है। कुछ लोग सदा अपने में ही मग्न रहते हैं। हर बात को अनसुना कर देते हैं। उन्हें अपनी वाह-वाह की कोई इच्छा नहीं होती। ऐसे लोग कभी किसी को हानि नहीं पहुँचाते। दूसरे पुतले से हमें यही ज्ञान मिलता है और यही कारण है कि इस पुतले का मूल्य एक हजार मोहरें है। कुछ लोग कान के कच्चे और पेट के हलके होते हैं। कोई भी बात सुनी नहीं कि सारी दुनिया में शोर मचा दिया। इन्हें झूठ सच का कोई ज्ञान नहीं, बस मुँह खोलने से मतलब है। यही कारण है कि इस पुतले का मूल्य केवल एक मोहर है।

कहानी

बिना गलती की सजा (भाग-1)

अगर प्यार सच्चा हो, तो लोग बिछड़ कर भी मिल जाते है। नित्या की शादी को लगभग एक साल भी नहीं हुए थे और उसका तलाक हो गया। नित्या के घर वालों ने जबरदस्ती नित्या की शादी करवा दी थी। शादी के कुछ 3 महीने बाद ही उसके पति राकेश का वव्ह्यार बदल गया वो नित्या से हमेशा झगड़ा ही करता रहता था। राकेश एक कंपनी में काम करता था, और रोज शाम को देरी से घर आता था, क्योंकि ऑफिस के बाद वो दारू पीने के लिए रुक जाता था, घर आकर वो नित्या से हर छोटी छोटी बात पर बहेस करता था उस खरी खोटी सुनता था, वो नित्या को ये भी बोल देता था कि "चली जा तू यहां से मुझे तेरी कोई जरूरत नहीं है बहुत मिल जाएंगी तेरी जैसी।" नित्या उसका ये वव्ह्यार चुप चाप सेहन कर रही थी, उसने अपने घर पर भी इसके बारे में कुछ नहीं बताया था, वो अपने घर वालो से नाराज थी। उन्होंने जबरदस्ती उसकी शादी जो करवाई थी, नित्या अविनाश से प्यार करती थी, और जब ये बात नित्या के घर वालो को पता चली तो उन्होंने जबरदस्ती उसकी शादी करवा दी। अविनाश उस वक्त कुछ नहीं कर पाया क्योंकि नित्या के पापा ने अविनाश के खिलाफ पुलिस कंप्लेन क कर दिया था की वो नित्या को परेशान करता है, और इसी कारण वो कुछ दिनों के लिए जेल में था ये सब के बारे में नित्या को नहीं पता था। नित्या अपनी शादी शुदा जिंदगी में बहुत परेशान थी। कुछ महीने ऐसा ही चलता रहा, राकेश थोड़ा भी नहीं बदला था। फिर नित्या ने सोचा कि अब वो और उस रिश्ते में नहीं रह सकती और उसने राकेश से तलाक लेना का फैसला कर लिया। और फिर उनका तलाक हो गया। तलाक के बाद नित्या ने अपने मम्मी पापा को सब कुछ बता दिया, और उन्होंने नित्या को बहुत डाटा की क्या हो गया था ऐसा की तलाक ले लिया अब क्या करेगी कहा जाएगी कौन करेगा इस से शादी, ये सब सुन कर नित्या ने उनके साथ रहने से इंकार कर दिया, वो एक छोटी सी कंपनी में काम करने लगी और कंपनी द्वारा दिए गए घर में रहती थी। उसे कभी कभी अविनाश की बहुत याद आती थी, लेकिन उसने अविनाश से कभी संपर्क करने की कोशिश नहीं किया, वो सोचती थी कि अब उसे किसी पर बोझ नहीं बनना, वो अपने पैरों पर खड़ा होना चाहती थी, वो अपना पूरा समय अपने काम को देती थी, उसका काम इतना अच्छा था कि 4 महीनों में ही उसका प्रोमोशन हो गया और वो अपने डिपार्टमेंट की हेड बन गई। प्रमोशन के एक महीने बाद उसे उसकी कंपनी के तरफ से एक मीटिंग अटेंड करने के लिए विदेश जाने का अवसर मिला। नित्या अपने काम में बहुत तरक्की कर रही थी, अब उसके मम्मी पापा को भी नित्या पर बहुत फक्र महसूस हो रहा था, अब वो पछताते थे कि उन्होंने उसकी शादी गलत घर में कर दिया था। नित्या विदेश जाने की बात से बहुत खुश थी। 4 दिन बाद की उसकी टिकट थी। उसे कुछ खरीदारी भी करनी थी, फिर वो अपने ऑफिस के पास एक मॉल में गई, उसे कपड़े और कुछ मेकअप का सामान लेना था, वो मॉल में घूम रही थी, कपड़े देख रही थी, तभी किसी ने पीछे से उसके कंधे पर हाथ रखा, वो पीछे मुड़ी देखने के लिए और वो बिल्कुल अपने आंखो पर विश्वास नहीं कर पा रही थी, वो इंसान और कोई नहीं अविनाश था। नित्या उसे देखती रह गई उस समझ नहीं आया कि वो अविनाश से क्या बात करे, अविनाश नित्या को देख कर बहुत खुश हुआ। दोनों के आंखो में असू के साथ खुशी भी थी। अविनाश ने पूछा तुम यहां! अपने पति के साथ हो क्या? नित्या उस से नजरे चुराते हुए बोली नहीं, अविनाश ने पूछा "कैसी हो?"

समोसा-पुराण

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

(व्यंग्य)

संसद में बैठे सारे सांसद, जो अभी तक अपनी-अपनी पार्टियों के हिसाब से देश की समस्याओं पर लड़ रहे थे, इस 'दिव्य' ज्ञान को सुनकर सन्न रह गए। कुछ ने सोचा, "वाह! क्या दूरदर्शिता है! हमें तो लगा था कि महंगाई और बेरोजगारी ही मुद्दा है, पर असली मुद्दा तो समोसे का साइज है!"

एक समय की बात है, भारत की संसद में एक महान ऋषि प्रकट हुए। उनका नाम था श्रीश्रीश्री समोसानंद, पर उनके भक्त उन्हें 'समोसेश्वर' के नाम से पुकारते थे। समोसेश्वर जी ने देखा कि देश की सबसे बड़ी समस्या भुखमरी नहीं, बेरोजगारी नहीं, बल्कि समोसे का साइज है! कहीं समोसा बड़ा है, तो कहीं छोटा! यह देख उनका हृदय दुख से भर आया।

"हे सभापति महोदय!" समोसेश्नवर जी ने अपनी बुलंद आवाज में कहा, "मेरा हृदय पीड़ा से कराह रहा है! ग्यारह साल में हमारे प्रधानमंत्री ने देश में 'युगों' का परिवर्तन कर दिया, लेकिन समोसे के साथ घोर अन्याय जारी है। यह क्या बात हुई? एक समोसा गोरखपुर में दस रुपए का, तो दिल्ली में बीस का, और साइज भी अलग-अलग! यह राष्ट्र की आत्मा पर प्रहार है!" संसद में बैठे सारे सांसद, जो अभी तक अपनी-अपनी पार्टियों के हिसाब से देश की समस्याओं पर लड़ रहे थे, इस 'दिव्य' ज्ञान को सुनकर सन्न रह गए। कुछ ने सोचा, "वाह! क्या दूरदर्शिता है! हमें तो लगा था कि महंगाई और बेरोजगारी ही मुद्दा है, पर असली मुद्दा तो समोसे का साइज है!" समोसेश्वर जी ने आगे कहा, "इस विशाल भारत में करोड़ों ग्राहक हैं। वे भूखे प्यासे ढाबों पर जाते हैं, समोसा खाते हैं, और उन्हें पता ही नहीं चलता कि उन्हें कितने ग्राम आलू मिला और कितने ग्राम मैदा। यह तो सरासर धोखा है! यह कोई मामूली बात नहीं है, यह तो सांस्कृतिक पतन का संकेत है! अगर समोसे ही सिकुड़ गए, तो राष्ट्र की आत्मा का विस्तार कैसे होगा?"

संसद में सन्नाटा छा गया। समोश्वेर जी ने अपनी बात जारी रखी, "मेरा सुझाव है कि एक 'समोसा-मानकीकरण आयोग' बनाया जाए। यह आयोग तय करे कि एक समोसे का आदर्श वजन क्या होगा? कितना आलू, कितनी मटर, और कितना मैदा? और तो और, चटनी की मात्रा भी निर्धारित हो! ताकि कोई ग्राहक ठगा न जाए।" एक सांसद ने फुसफुसाते हुए कहा, "समोसेश्वर जी, भूख हड़ताल से अच्छा, समोसा हड़ताल करते हैं!" दूसरे ने कहा, "समोसेश्वर जी, आप सही कह रहे हैं। हमने कभी सोचा ही नहीं कि अगर समोसे ही सिकुड़ गए, तो भारत की महानता का क्या होगा!" समोसेश्वर जी का चेहरा दमक रहा था। उन्हें लगा कि उन्होंने आज देश को एक नई दिशा दी है। उन्होंने 'शून्य काल' को 'समोसा काल' बना दिया था। उन्होंने सिद्ध कर दिया था कि एक सच्चा जन-प्रतिनिधि वही होता है, जो बड़े से बड़े मुद्दों को छोड़कर जनता के सबसे 'समोसे' वाले दर्द को समझे! और इस तरह, संसद में 'समोसे पर बहस' शुरू हो गई। कोई कह रहा था कि समोसे का साइज 'राष्ट्रवाद' से जुड़ा है, तो कोई कह रहा था कि समोसे का मानकीकरण 'आर्थिक' प्रगति के लिए जरूरी है। बाहर, जनता सोच रही थी कि वे भुखमरी की कांवड़ ढो रहे हैं और उनके सांसद 'समोसे की कांवड़' ढो रहे हैं। समोसेश्वर जी ने कहा, "हमारी आने वाली पीढ़ियाँ हमें धन्यवाद देंगी। जब वे इतिहास पढ़ेंगे, तो जानेंगे कि जब दुनिया परमाणु बम और गरीबी की बात कर रही थी, तब भारत के एक महान सांसद ने समोसे के न्याय के लिए अपनी आवाज उठाई थी। क्योंकि अगर समोसे में न्याय नहीं, तो फिर किसी में नहीं!"

भारत रत्न भीमराव आंबेडकर की मूर्ति उखड़वाकर खेत में डलवाई

ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव पर ग्रामीणों ने लगाया आरोप, पार्क में चल रहा सौदर्यीकरण कार्य

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/कुरावली। विकास खंड की ग्राम पंचायत रोशिंगपुर के मजरा छत्तरपुर के आंबेडकर पार्क में लगी संविधान निमार्ता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की मूर्ति ग्राम प्रधान प्रदीप कुमार व पंचायत सचिव रबि यादव द्वारा पार्क का सौदर्यीकरण कराने के नाम पर उखड़बाकर खेत में डाल दी गई, ग्रामीणों ने जब काफी दिन बीतने के बाद आंबेडकर जी की मूर्ति दोवारा से लगवाने के लिए तो ग्राम प्रधान द्वारा मना कर दिया, कारण पूछने पर बताया कि उच्चाधिकारियों ने मूर्ति लगाने से मना कर दिया, पार्क के अंदर किसी दूसरे की जमीन हैं, मौके पर विवाद की स्थिती बताई गई, इस मामले को लेकर गांव में पुलिस की मौजूदगी में तीन दिन से पंचायत चल रहीं है। शनिवार को नापजोख कराई गई तो पार्क के अंदर किसी की कोई भूमि नहीं पाई गई, इससे जाहिर होता है कि पूरा विवाद सोची समझी साजिश के तहत पैदा किया गया था, इस मामले में गांव जाकर जानकारी की गई तो ग्रामीणों ने दबी जुवान से बताया कि पूरे विवाद की जड़ ग्राम प्रधान है। इस मामले की शिकायत मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर की गई है।

ग्रामीण शिकायतकर्ता सुघर सिंह पुत्र तोताराम ने बताया कि ग्राम पंचायत रोशिंगपुर के मजरा गांव छत्तरपुर में गांव के बाहर ही करीब 33 बर्ष पहले बर्ष 1992 में संविधान निमार्ता बाबा साहब भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की मूर्ति लगवाई गई थी, यहां पर आंबेडकर पार्क भी बना हुआ है। जहां पर प्रति बर्ष 14 अप्रैल को बाबा साहव की जयंती पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। जिसमें आसपास के लोगो सहित बाहर के लोग भी आकर भाग लेते है। पिछले माह शासन की तरफ आंबेडकर पार्क के सौदर्यीकरण के लिए 3.50 लाख रुपए का बजट स्वीकृति किया गया, कार्य कराने के लिए एक लाख 94 हजार रुपए कार्य कराने वाली फर्म के लिए जारी भी हो चुका है। पार्क के सौदर्यीकरण का काम ग्राम प्रधान प्रदीप कुमार और पंचायत सचिव रबि यादव की देखरेख में चल रहा था, कुछ दिन पूर्व ग्राम प्रधान और सचिव ने आंबेडकर जी की मूर्ति सौदर्यीकरण के नाम पर उखड़बा कर खेत में फिकवा दी गई, जब कई दिन बीत गए थें, ग्राम प्रधान ने पार्क का निर्माण कार्य भी रोक दिया था, दिन बीतने के बाद ग्रामीणों ने मूर्ति लगाने के लिए ग्राम प्रधान से कहा तो उसने मूर्ति लगाने के लिए विवाद की स्थिती बताते हुए लगाने से मना कर दिया।

संपर्क मार्ग के दूसरी तरफ है आंबेडकर पार्क

अगर पार्क में विवाद की स्थिती पैदा करने वाले की बात की जाएं तो आंबेडकर पार्क के बराबर में संपर्क मार्ग है। संपर्क मार्ग की दूसरी साइड एक खेत है, उस खेत के मालिक ने पूरे विवाद की स्थिती यह कहकर पैदा कर दी थी कि पार्क की भूमि में उसके खेत की भूमि दबी हुई है। जब बीच में संपर्क मार्ग बना हुआ है तो दूसरी साइड खेत कहां से आ गया, तीन दिन तक चली पंचायत के बाद शनिवार को नापजोख की स्थिती साफ हो गई, विवाद पैदा करने वाले की भूमि पार्क की भूमि में नहीं निकली।

आंबेडकर मूर्ति उखाड़ने पर किसी की परमीशन नहीं

शासन की तरफ से आबेंडकर पार्क का सौदर्यीकरण कराया जा रहा है। जिसका कार्य ग्राम प्रधान और सचिव द्वारा स्वयं कराया जा रहा है। सौदर्यीकरण कार्य के दौरान ग्राम प्रधान ने जब पार्क में लगी बाबा साहब आंबेडकर जी की मूर्ति को जब उखड़वाया गया तब किसी प्रशासनिक अधिकारी की परमीशन नहीं ली गई, भारत रत्न की मूर्ति उखड़वाने का फैसला ग्राम प्रधान ने खुद ही ले लिया।

क्या बोले तहसीलदार कुरावली

गांव छत्तरपुर में आंबेडकर पार्क के सौदर्यीकरण के दौरान आंबेडकर मूर्ति उखड़वा देने की जानकारी मिली थी, विवाद की स्थिती की जानकारी मिलने पर लेखपाल, कानूनगो सहित टीम को नापजोख के लिए मौके पर भेजा गया था, इनसे अभी कोई रिपोर्ट नहीं मिल पाई है। रिपोर्ट मिलने के बाद ही आगे कुछ कहा जा सकता है।

– अरविंद गौतम, तहसीलदार कुरावली।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन

मैनपुरी/भोगांव। नगर के बीआरसी पर चल रहे पांच दिवसीय गतिमान प्रशिक्षण के द्वितीय बैच का समापन हो गया। अन्तिम दिन खण्ड शिक्षा अधिकारी सर्वेश यादव ने शिक्षको को शिक्षा की नई खोज एंव उन्नति के बारे मे जानकारी दी।

पांच दिवसीय शिविर के अन्तिम दिन खण्ड शिक्षा अधिकारी सर्वेश सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण नई शिक्षा नीति को लागू करने में एक महत्वपूर्ण कदम है इस प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों लैंग्वेज और न्यूमिरेसी के फंडामेंटल्स का ज्ञान देने के बारे मे जों जानकारी दी गई है अब शिक्षक विधालयो मे बच्चों को इसके बाारे मे जानकारी दे। साथ ही उन्होंने विभाग के निपुण लक्ष्य एप, ज्ञान समीक्ष एप, निपुण टीचर एप सहित विभिन्न विभागीय पोर्टल के बारे में जनकारी दी। इस मौके पर प्रशिक्षक कमल पाण्डेय, कर्मवीर सिंह, बृजेश प्रताप सिंह, कुलदीप कुमार, रत्नेश शाक्य, दीपक तिवारी, संजीव दीक्षित, प्रगति भदौरिया, मीरा यादव, आशुतोष राजावत, माधुरी मिश्रा, प्रीती सिंह, सीमा शाक्य, हरविलास सिंह, अरुण पाण्डेय, वंदना राजपूत आदि मौजूद थे।

छोटी खबरें

ड्रोन उड़ाने की अफवाह फैलाने पर पुलिस कार्यवाही

मैनपुरी/किशनी। आजकल कुछ लोग ड्रोन उड़ने की भ्रामक खबरे फैलाकर लोगों में असुरक्षा की भावना पैदा कर रहे हैं। थानापुलिस ने ऐसे ही एक आरोपी के खिलाफ कार्यवाही की है। पुलिस ने थानाक्षेत्र के गांव जखा निवासी संदीप कुमार को हिरासत में लेकर चालान किया है। आरोप है कि संदीप कुमार ने अपनी फेसबुक आईडी पर गांव जखा में ड्रोन उड़ाए जाने के संबंध में वीडियो वायरल किया था। जिससे आमजन मानस में भय व्याप्त हुआ था। पुलिस कार्यवाही से लोगों में सुरक्षा की भावना पैदा हुई है।

जमीन में हिस्सा मांगने पर पुलिस से शिकायत

मैनपुरी/किशनी। एक भाई के बेटे की परवरिश करना दूसरे भाई पर इतना भारी पड़ गया कि अब वह भाई इस बेटे के लिए जायदाद में हिस्सा की मांग करने लगा है। पीड़ित भाई ने पुलिस से मदद की गुहार लगाई है। मामला थाना क्षेत्र के गांव कुरसंडा का है। गांव को कुरसंडा निवासी शिवकुमार पुत्र हरदयाल जाटव ने बताया कि पूर्व में उनके भाई रमोद पुत्र हरदयाल तथा उनकी पत्नी सरिता से आपस में जमकर झगड़ा और विवाद होता था। उनके भाई की पत्नी बार-बार घर से निकल जाती थी। उनके भाई के एक बेटा था। लड़ाई झगड़े से परेशान होकर उनके पिता ने उन पर दबाव डाला और कहा कि तुम इस बच्चे का पालन पोषण कर दो। भाई का लड़का होने के नाते उन्होंने उसे खिलाया पिलाया और उसका पालन पोषण कर दिया। वह बच्चा अब बड़ा हो गया है। इसके बाद भाई की नियत खराब होने लगी। पीड़ित ने बताया कि उनका भाई उनसे कहता है कि उनके लड़के का हिस्सा उन्हें दिया जाए । उनकी पत्नी गर्भवती है। वह उनसे कहता है यदि तुमने उनके बेटे का हिस्सा अपनी जमीन से नहीं दिया तो वह पत्नी तथा उसके बच्चे को मार डालेंगे। उनका भाई बार-बार झगड़ा विवाद करता है और उन्हें तथा उनकी पत्नी को परेशान करता है उन्होंने पुलिस से मदद की गुहार लगाई है।

हनुमान शोभायात्रा की तैयारियां जोरों पर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/भोगांव। नगर मे आगामी 2 सितम्बर को पवनसुत हनुमान की भव्य शोभायात्रा बैण्ड बाजों के साथ निकाली जायेगी जिसके लिये समिति के सदस्य तैयारियो को अन्तिम रूप देने मे जुटे हुये है। यह जानकारी देते हुये शोभायात्रा कमेटी के अध्यक्ष संजीव तिवारी ने बताया कि आगामी 2 सितम्बर को निकलने बाली हनुमान शोभायात्रा मे मुख्य अतिथि के रूप मे महामण्डलेश्वर स्वामी हरिहरानन्द जी महाराज एंव क्षेत्रीय विधायक रामनरेश अग्निहोत्री भाग लेगे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप मे चेयरमैन नेहा तिवारी एंव प्रतिनिधि आशीष तिवारी भाग लेगे तथा छोटा बाजार स्थित चेयरमैन आवास के निकट शोभायात्रा का स्वागत किया जायेगा। उन्होने बताया शोभायात्रा सांय सात बजे से नगर की पुरानी आलू मण्डी से प्रारम्भ होकर नगर भ्रमण करती हुई बस स्टैण्ड पर जाकर समाप्त होगी।

नौ किलो मीटर तैरकर भी पति को नहीं बचा सकी 72 बर्षीय पत्नी

बेटों की उपेक्षा से त्रस्त होकर बुजुर्ग ने लगाई थी नहर में छलांग,- बुजुर्ग पत्नी के अदम्य साहस ने असीम प्रेम की लिख दी नई दास्तान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। जनपद में एक शर्मसार करने वाली खबर सामने आई है। यहां जवान बेटों की उपेक्षा और असहनीय उत्पीड़न से हारकर फिरोजाबाद के 75 वर्षीय बुजुर्ग रामलड़ते ने बीते दिन की सुबह मैनपुरी आकर घिरोर पुल से इटावा ब्रांच नहर में छलांग लगा दी। पति को रोकने पीछे आ रही 72 वर्षीय बुजुर्ग ने भी पति की जान बचाने को नहर में छलांग लगी दी। नौ किलोमीटर तक पति का हाथ थाम कर बाहर निकालने की कोशिश में तैरती रही। मगर, नियति को कुछ और ही मंजूर था। बुजुर्ग का असाधारण संघर्ष पति की जान तो नहीं बचा सका। मगर, उसके अदम्य साहस ने असीम प्रेम की दास्तान लिख दी।

दन्नाहार थाना क्षेत्र के गांव जवापुर नहर पुल के पास ग्रामीणों ने नहर से महिला को निकाला। पूछने पर 72 वर्षीय श्रीदेवी ने बताया कि वह फिरोजाबाद के जलेसर रोड झलकारी नगर की रहने वाली हैं। उनके पति 75 वर्षीय रामलड़ते की नहर में डूबने से मौत हुई है। रोते हुए श्रीदेवी ने बताया कि बेटे-बहुओं से परेशान होकर पति शुक्रवार सुबह गुस्से में घर से निकल आए थे। वह जान देने की बात कह रहे थे। इस वजह से वह भी उनके पीछे चल दी। घिरोर पुल के पास पहुंच कर पति नहर में कूदने के लिए पुल पर चढ़ने लगे, उनको रोकने के लिए हाथ पकड़ लिया। मगर, पति ने हाथ झटक कर नहर में छलांग लगा दी। पति को बचाने वह भी नहर में कूद गई। काफी दूर तक वह पति का हाथ पकड़े हुए नहर के तेज बहाव में तैर कर किनारे पर आने की कोशिश करती रहीं। मगर, बहाव तेज होने के कारण वह सफल नहीं हो पा रही थी। कुछ ही देर में पति अचेत हो गए।

बेटों ने दवा तक के लिए पैसे देने से किया था इंकार

श्रीदेवी ने रोते हुए बताया कि उनके चार बेटे हैं। इनमें निर्वेश कुमार, सर्वेश कुमार, किशोरी और सीताराम शामिल हैं, सभी मजदूरी करते हैं। तीन साल पहले उनके पति रामलड़ते का कूल्हा टूट गया था जिसके बाद वे काम करने में पूरी तरह से असमर्थ हो गए थे। पहले वे फेरी लगाकर सामान बेचते थे और थोड़ी खेती भी करते थे। इससे घर का खर्च चलता था। लेकिन, जब वे अपाहिज हुए, तो उनके अपने ही बेटों ने उनसे मुंह मोड़ लिया। उन्हें दवा के लिए भी पैसे देना बंद कर दिया था।

पति को खोने के बाद श्रीदेवी का रो-रोकर बुरा हाल

दन्नाहार थाना क्षेत्र के जवापुर गांव के पास कुछ ग्रामीणों ने दोनों को नहर में देखा और उन्हें बाहर निकाला। हालांकि तब तक रामलड़ते का जीवन समाप्त हो चुका था। पति को खो देने के गम में श्रीदेवी का रो–रोकर बुरा हाल था, लेकिन कुछ समय बाद उनकी आंखें पथरा सी गई, जैसे उनमें अब कोई आंसू ही नहीं बचा था।

छोटे बेटे ने रोका, पर नहीं रुके वृद्ध दंपती

शुक्रवार की शाम को रामलड़ैते का शव झलकारीनगर स्थित आवास पर पहुंचा तो कोहराम मच गया। परिवार की महिलाएं बिलख रही थीं। मृतक के बेटे सर्वेश ने बताया कि छोटे भाई सीताराम के पास रहने के कारण उन्हें गुस्से में जाने से रोका था। लेकिन अपनी जिद के आगे उन्होंने किसी की नहीं सुनी। गुस्से में चले गए और यह कदम उठा लिया। थाना उत्तर के झलकारी नगर निवासी रामलड़ैते पत्नी श्रीदेवी के साथ सबसे छोटे पुत्र सीताराम के पास रहते थे। उन्होंने आजीविका चलाने को घर में परचून की दुकान खोल रखी थी। इनमें दो बेटे मकान के आसपास व एक भाई कुछ दूरी पर रहता है। रामलड़ैते के पुत्र सर्वेश ने बताया कि शुक्रवार को उनके पिता और मां सुबह साढ़े पांच बजे छिबरामऊ जाने के लिए गुस्से में तैयार हो गए थे। सीताराम ने दोनों को काफी रोकने का भी प्रयास किया था लेकिन वह नहीं रुके। बाद में मौत की सूचना मिली।

रैवीज का शिकार हुए मानसिक बीमार किशोर की मौत

कुत्ते की तरह भौंका, पानी देखकर चीखा, अस्पताल ले जाते पर तोड़ा दम

मोर्निंग सिटी संवाददाता

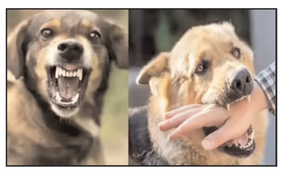

मैनपुरी/बेवर। आवारा कुत्तों का आतंक थामने के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश धरातल पर उतर नहीं पाए हैं। शुक्रवार को रेबीज का शिकार किशोर जान गंवा बैठा। इधर-उधर घूमने वाला मानसिक दिव्यांग अनाथ किशोर एक दिन पहले तेज बुखार में तप रहा था। रात में वह कुत्तों की तरह भौंका और पानी देखकर चीखने लगा। ग्रामीण उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। चिकित्सक ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहां ले जाते समय रास्ते में किशोर ने दम तोड़ दिया। ग्रामीणों ने बिना पोस्टमार्टम कराए ही अंतिम संस्कार कर दिया।

बेवर कस्वा निवासी 17 वर्षीय मानसिक दिव्यांग किशोर अमन खान दो वर्ष का था, तभी उसकी मां मंतशा बेगम की मृत्यु हो गई थी। पांच वर्ष की उम्र में पिता इम्तियाज खान घर बेचकर अपने साथ आगरा ले गए। 2020 में कोरोना में इम्तियाज की भी मृत्यु हो गई। इसके बाद से अमन भीख मांगकर तो कभी गांव आकर जीवन यापन कर रहा था। अमन के तयेरे भाई उस्मान ने बताया कि परिवार के अन्य लोग और ग्रामीण उसे खाने-पीने को दे दिया करते थे। करीब तीन महीने पहले वह अचानक बिना बताए गांव से कहीं चला गया। गुरुवार शाम को गांव लौटा। रात में उसे तेज बुखार आया तो दवा दी लेकिन पानी देखते ही वह चीखने लगा। तब लगा कि मानसिक दिव्यांग होने के कारण वह ऐसा कर रहा है। रात में वह कुत्ते की तरह भौंकने भी लगा। शुक्रवार सुबह छह बजे उसे सीएचसी बेवर लेकर पहुंचे। यहां से जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में जांच के बाद सुबह 7.30 बजे डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

क्या बोले बेवर सीएचसी चिकि त्साधीक्षक

बेवर चिकित्साधीक्षक डॉ. आशुतोष ने बताया कि किशोर को लेकर आए ग्रामीणों ने बताया था कि इसमें रेबीज के लक्षण दिखाई दे रहे हैं तो उसे तुरंत ही जिला अस्पताल रेफर कर दिया था। पोस्टमार्टम न होने की स्थिति में यह स्पष्ट नहीं है कि उसकी मृत्यु रेबीज के कारण ही हुई है।

तमंचे की नोंक पर किशोरी से दुष्कर्म का प्रयास

पिता की तहरीर पर थाने में मुकदमा दर्ज, जांच में जुटी पुलिस

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/किशनी। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि 17 अगस्त की शाम 6 बजे उनकी 14 वर्षीय बेटी अपने घर से पुराने मकान पर जा रही थी तभी नामजद रुद प्रताप (गोलू) पुत्र देवेंद्र सिंह व उसका साथी अवनीश कुमार पुत्र अखिलेश कुमार ने रास्ते में सैयद बाबा के पास उनकी बेटी को साइकिल के आगे डंडा लगा कर रोक लिया और गलत इरादे से पकड़कर झाड़ियों की तरफ ले जाकर जबरदस्ती की। आरोप है कि नामजदों ने उनकी बेटी के साथ दुष्कर्म के इरादे से उसके कपड़े फाड़ दिए। जब उनकी बेटी ने बचाव के लिए चीख पुकार की तो उक्त आरोपियों ने उनकी बेटी पर तमंचा तान दिया। इसी बीच उनके भतीजे और कुछ राहगीरों को आता देख कर उक्त आरोपी तमंचा लहराते हुए जान से मारने की धमकी देते बुये भाग गए। उनकी बेटी ने बताया कि उक्त लोग बेटी पर पहले से ही गंदी नजर रखते थे जो आज घटना में परिवर्तित हो गई। पीड़ित ने बताया कि उक्त लोग दबंग किस्म के व्यक्ति है इस कारण वह व उनका परिवार डरा हुआ है। उन्होंने आशंका व्यक्त की उक्त लोग कभी भी उनको व उनकी बेटी को जान से मार सकते है। पुलिस ने सुसंगत धाराओं के अंतर्गत आरोपियों के खिलाफ मुकद्मा दर्ज कर लिया है।

मैनपुरी में बुखार से पीड़ित महिला की मौत

गांव में घर घर बिछी चारपाई, 250 लोग बीमार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

डेंगू और मलेरिया की आशंका से दहशत, सफाईकर्मी नदारद, गंदगी का अंबार

मैनपुरी। बरनाहल क्षेत्र के गांव पैरारशाहपुर में बुखार फैल गया है। मलेरिया डेंगू कि गांव में दहशत फैल गई है। गांव में करीब ढाई सौ के आसपास लोग बुखार की चपेट में हैं। गांव में बुखार से एक महिला की भी मौत हो चुकी है। प्राइवेट पैथोलॉजी रिपोर्ट अपनी जांच में डेंगू और मलेरिया की पुष्टि कर रहे हैं। वहीं स्वास्थ्य विभाग वायरल फीवर की बात कह रहा है। गांव में चार दिन से स्वास्थ्य शिविर लगाया जा रहा है। गांव में गंदगी का अंबार है। ग्राम पंचायत की ओर से अभी तक फागिंग नहीं कराई गई है। बरनाहल विकास खंड क्षेत्र के गांव पैरारशाहपुर में बुखार की चपेट में आ गया है। बुखार की वजह से घर-घर चारपाई बिछी हुई है। जिसमें महिलाएं बुजुर्ग बच्चे सभी शामिल हैं। ग्रामीणों के अनुसार 8 अगस्त को बुखार के कारण एक महिला की मौत हो गई है। इसके बाद से ही गांव में डेंगू और मलेरिया की दहशत फैल गई। स्वास्थ्य विभाग चार दिन से स्वास्थ्य शिविर लगाकर मरीजों को दवाई दे रहा है। लेकिन मरीजों को कुछ भी आराम नहीं हो रहा है। जिसकी वजह से अधिकतर मरीज बरनाहल करहल सिरसागंज, मैनपुरी, फिरोजाबाद,आगरा आदि शहरों के अस्पतालों में भर्ती हैं।

एसीएमओ गांव पहुंचे और मरीजों से की बात

शनिवार को एसीएमओ डॉ. अनिल वर्मा ने गांव में पहुंचकर मरीजों से बात की। उन्होंने लोगों को साफ सफाई के प्रति जागरूक किया। गांव में सरिता, रचना, आशा देवी, रामस्वरूपी, गुड्डी देवी, जैसी सैकड़ों महिलाओं बुखार की चपेट में हैं। ग्रामीणों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग की टीम दवाइयां के नाम पर खाना पूर्ति कर रही है। ग्रामीणों में स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ रोष व्याप्त है।

गांव में महीनों से नहीं आया सफाईकर्मी

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में महीनों से सफाई कर्मी सफाई करने नहीं पहुंचा है। गांव की नालियों में गंदगी भरी पड़ी है। साथ ही गलियों में कीचड़ भरा रहता है। जिसकी वजह से गांव में संक्रमण रोग फैल गए हैं। इसके बाद भी ग्राम पंचायत स्तर से कोई सुविधा नहीं दी जा रही है। अभी तक नालियों और गलियों की सफाई नहीं कराई गई है। ओर ना ही फॉगिंग कराई गई है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रधान मुकेश यादव अभी तक हाल देखने भी नहीं आए हैं और ना ही फोन उठाते हैं।

शिक्षक आधुनिक शिक्षा पद्धति से बच्चो को दें शिक्षा: शर्मा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/भोगांव। जिला शिक्षा एंव प्रशिक्षण संस्थान पर चल रहे पांच दिवसीय एकीकृत प्रशिक्षण के समापन पर डायट प्राचार्य मनमोहन शर्मा ने कहा कि डायट पर चले पांच दिवसीय प्रशिक्षण की मूल भावना शिक्षा के बदले हुये परिवेंश से बच्चो को नई पद्धति से शिक्षा प्रदान करना है ऐसे मे शिक्षको का यह मौलिक कर्तव्य है बच्चो को आधुनिक तरीके से शिक्षा प्रदान करे। प्रशिक्षण के समापन पर शिक्षको को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। इस मौके पर सुधाकरन, संजीव कुमार गौतम, डा0 जीतपाल सिंह, आरेन्द्र सिंह, सतेन्द्र सिंह, बसुधा चौहान, सुषमा आनन्द, शोभा, श्वेतांक आदि मौजूद थे। बरनाहल ब्लाक के 60 शिक्षको ने प्रशिक्षण मे भाग लिया। प्रशिक्षक वीरेन्द्र सिंह ने बताया कि सोमवार को बरलाहल ब्लाक के और मंगलवार को करहल ब्लाक के शिक्षको का पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू होगा।

तहरीर देने के बाद फिर दोबारा की मारपीट

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/किशनी। नितेश पुत्र रामशरण यादव निवासी बल्लमपुर समान ने तहरीर दी कि बुधवार की शाम 4.30 बजे वह कटरा सामान बाजार करने आए थे। वह गौरव की दुकान के पास खड़े थे तभी उनके गांव के पड़ोसी ध्रुव व लव कुश पुत्र बहोरनसिंह विनोद पुत्र शारदा प्रसाद रवि पुत्र शारदा प्रसाद यादव ने पुरानी रंजिश को लेकर उन्हें गाली गलौज करते हुए लाठी डंडों से मारा-पीटा जिससे उनके शरीर पर चोटें आगई। उन्होंने थाने जाकर पुलिस को तहरीर दे दी।

इससे चिढ़कर उक्त लोग उसी दिन फिर उनके पास आए और जमकर मारपीट की और कहा कि अगर थाने गया तो जान से मार दिया जाएगा।

समाधान दिवस में तहसीलदार थाना प्रभारी ने सुनीं शिकायतें

एक दर्जन आई शिकायते आधा दर्जन का मौके पर निस्तारण

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/किशनी। शनिवार को थाने पर आयोजित समाधान दिवस में तहसीलदार घासीराम और थाना प्रभारी ललित भाटी ने मौजूद रहकर लोगों की शिकायतों को सुना। इस मौके पर एक दर्जन लोगों ने शिकायतों को दर्ज कराया जिसमें मौके पर आधा दर्जन शिकायतों का निस्तारण किया गया।

तहसीलदार ने कहा कि देखने में आ रहा की समाधान दिवस या तहसील पर सर्वाधिक प्रार्थनापत्र पैमाईश को लेकर आ रहे है सभी राजस्व टीम तत्काल पैमाईश के मामले निपटाए और ध्यान रहे कि पैमाइस करते समय दोनों पक्षों को मौके पर मौजूद रखे एवं पैमाईश में पारदर्शिता एवं ईमानदारी के साथ करे।

ऐसे मामलों में अगर विवाद की स्थित उत्पन्न हुई तो राजस्वकर्मी को दोषी माना जाएगा। आपसी सामजस्य से हल निपटे तो वह भी करा सकते है एवं जिस राजस्वकर्मी का फॉर्मर रजिस्ट्री का कार्य अधूरा पड़ा है उसको जल्द पूरा करे अन्यथा कड़ी कार्यवाही पर उन्हें मजबूर होना पड़ेगा। बरसात से क्षेत्र में जहा भी किसी का नुकसान हुआ हो या अन्य कोई हानि हुई हो उसकी रिपोर्ट बनाकर उपलब्ध कराए। जिससे समय से पात्र को मुआवजा दिया जा सके।

इस मौके पर कानूनगो अरविंद यादव, ब्रजेश कठेरिया, लेखपाल राजेश शाक्य, रवि यादव, गंभीर यादव, स्वदेश कुमार, रुचि यादव, ऋषि कुमार आदि मौजूद रहे।

फ्रॉड की तलाश में भोगांव पहुंची हरियाणा पुलिस

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/भोगांव। विगत एक बर्ष पूर्व नगर के युवक ने तीन स्विफ्ट डिजायर कारों का डाउन पेमेंट देकर किश्तें अदा न कर कारो को लेकर फरार होने वाले आरोपित की तलाश में हरियाणा प्रान्त की पुलिस ने नगर में दविश दी किन्तु युवक पुलिस को चकमा देकर फरार हों गया जिस कारण हरियाणा पुलिस बैरंग लौटना पडा।

थाना कोतवाली पहुचें हरियाणा के गुरुग्राम थाना डीएलएफ के हेड कांस्टेबल राकेश कुमार ने बताया कि नगर भोगांव के मोहल्ला चौधरी निवासी राहुल गुप्ता पुत्र सर्वेश गुप्ता विगत कई वर्षो से नोएडा में रह रहा था उसने होंडा सिटी केंद्र के निकट स्थित कौनास्थ ट्रैवल्स से विगत 11 जुलाई 2024 को प्राइवेट नंबर की तीन स्विफ्ट डिजायर कारें ली थी। जिसके एवज में उसने एक 160000 रुपए प्रति गाड़ी के हिसाब से चार लाख 80000 रुपए ट्रैवल्स कंपनी के संचालक को देकर गाड़ियां प्राप्त करनी वायदे के मुताबिक इन गाड़ियों की किस्त उसे तीन वर्ष तक अदा करनी थी। परंतु राहुल गुप्ता दो किश्तें अदा करने के बाद ही तीनों गाड़ियों सहित लापता हो गया। ट्रैवलर एजेंसी के मैनेजर राकेश ने 11 जून 2025 को आरोपित के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई। आरोपित की तलाश में उसके मूल निवास नगर के मोहल्ला चौधरी में दविश दी गई। आरोपित नहीं मिला।हेड कांस्टेबल राकेश ने बताया कि आरोपित की तलाश में भोगांव के अतिरिक्त नोएडा, गुरुग्राम, हरदोई के कसाना में भी दविशें जा चुकी हैं। परंतु वह पुलिस हत्थे नहीं लगा है।

कृष्णांजलि नाट्यशाला में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जनपदीय आशा सम्मेलन का हुआ भव्य आयोजन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़ । राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जनपदीय आशा सम्मेलन का आयोजन कृष्णांजली सभागार में किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता मुख्य अतिथि माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती विजय सिंह ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में मण्डलायुक्त अलीगढ़ मण्डल श्रीमती संगीता सिंह उपस्थित रहीं। इसके अतिरिक्त सम्मेलन में आशा कार्यकत्रियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं, मेंहदी, रंगोली, सूई धागा, गुब्बारे फुलाने जैसी प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया गया।

मुख्य अतिथि माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष के नेतृत्व वाले निर्णायक मंडल द्वारा सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का मुल्यांकन कर आशा कार्यकत्रियों को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार वितरित किए।

सम्मेलन में जिले के सभी ब्लॉकों एवं शहरी क्षेत्र से आई आशा कार्यकत्रियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। आशाओं ने गायन, नृत्य, नाटक एवं कठपुतली नृत्य जैसी मनमोहक प्रस्तुतियों के साथ ही मेहंदी, रंगोली, सूई-धागा, गुब्बारे फुलाने आदि प्रतियोगिताओं में प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल द्वारा प्रतिभागियों का मूल्यांकन कर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली आशाओं को पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि विजय सिंह ने आशा बहुओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे स्वास्थ्य विभाग की सबसे छोटी किंतु सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं, जो विषम परिस्थितियों में भी जिम्मेदारी का निर्वहन करती हैं। उन्होंने आशाओं को ह्लमातृ शक्तिह्व बताते हुए कहा कि उनकी मेहनत से सरकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों के अंतिम छोर तक पहुंचता है।

मण्डलायुक्त संगीता सिंह ने कहा कि आशाएं स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ हैं। उन्होंने आशाओं के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि ह्लजब गाँव स्वस्थ होगा तभी शहर, जनपद, प्रदेश और अंततः देश स्वस्थ होगा। स्वास्थ्य का भविष्य आप सभी के हाथों में है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. नीरज त्यागी ने आशाओं की सकारात्मक ऊर्जा की प्रशंसा करते हुए उन्हें लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति एवं जनहितकारी योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में विगत वर्ष स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 42 आशाओं को ब्लॉकवार प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार दिए गए। जनपद स्तर पर सर्वश्रेष्ठ संगिनी के रूप में लोधा ब्लॉक की कमलेश प्रथम, गंगीरी ब्लॉक की मीरा द्वितीय तथा अतरौली ब्लॉक की सर्वेश तृतीय स्थान पर रहीं। सर्वश्रेष्ठ बीसीपीएम का सम्मान जवां ब्लॉक की रजिया खान को व 10 सीएचओ को एनक्यूएएस प्रमाणन के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

सम्मेलन में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारीगण, यूनिसेफ, डब्ल्यूएचओ, यूपीटीएसयू, पीएसआई सहित विभिन्न सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। मंच संचालन रोहित प्रकाश सक्सेना व सह-संचालन सुरेश सिंह भदौरिया द्वारा किया गया। अंत में सम्मेलन के नोडल अधिकारी डॉ. राहुल शर्मा ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, सभी प्रतिभागी आशाओं एवं उपस्थित अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर एसीएमओ डा0 दिनेश खत्री, डा0 सुशील कुमार जैन, डा0 वी0के0 राजपूत, डिप्टी सीएमओ डा0 नरेन्द्र, डीएमओ डा0 विनीता मिश्रा, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी सूरज सिंह भदौरिया, डीपीएम महेन्द्र प्रताप सिंह, डीसीपीएम डा कमलेश चौरसिया, डीएएम डा0 प्रदीप वर्मा, डीपीओ कृष्ण कांत राय, डा0 रागिनी, डा0 अंशू सक्सेना, डा0 रिम्या पिल्लई, अर्बन हैल्थ कॉर्डिनेटर अकबर खान, उज्ज्वल अग्रवाल, यूनिसेफ से हैदर रजा, डब्लूएचओ से शादाब, पीएसआई से पुष्पेन्द्र सिंह, बीसीपीएम श्याम विहारी, अभिषेक शर्मा, पीयूष अग्रवाल, साधना सिंह, इरम निशा, अफरोज नबी एवं अन्य चिकित्सकगण उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों के कैरियर विकास के लिए वेबिनार का आयोजन

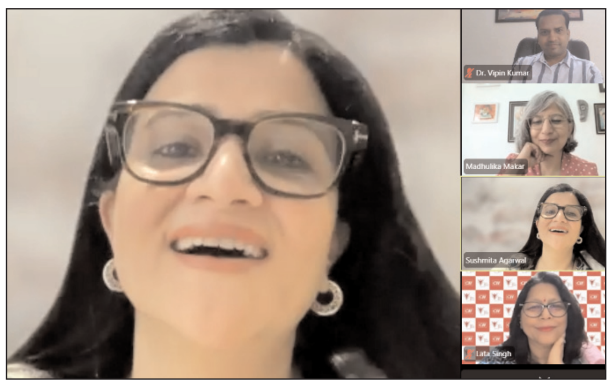

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से दो महत्वपूर्ण कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। पहले वेबिनार का विषय एआई और ऑटोमेशन आपके करियर को कैसे आकार देंगे रहा। इसमें ऊनो मिंडो की वरिष्ठ एचआर अमृता सिंह, आईबीएम के पार्टनर वेंकेट राघव और एटी एंड टी इंडिया के तकनीकी निदेशक सुखजीत सिंह मुख्य वक्ता रहे। उद्योग जगत के इन विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को एआई और ऑटोमेशन से जुड़ी अहम जानकारियां दीं और भविष्य के करियर अवसरों पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में लिंक्डइन प्रोफाइल ऑप्टिमाइजेशन और नौकरी खोज रणनीति विषय पर कार्यशाला भी आयोजित की गई। इसका संचालन एचआर विशेषज्ञ अविनाश शिवकुमार ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को मजबूत पेशेवर ब्रांड बनाने और आधुनिक नौकरी खोज तकनीकों को अपनाने के व्यावहारिक उपाय बताए। इन दोनों सत्रों ने विद्यार्थियों को करियर विकास के लिए मूल्यवान मार्गदर्शन और सीखने का शानदार अवसर प्रदान किया। टी एंड पी प्रभारी डा. विपिन कुमार ने आभार व्यक्त किया।

चिकित्सा शिविर से किसानों व गरीबों की होगी मदद-शमीम

च्यवन ऋषि आश्रम में आयोजित कैंप का प्रदेश उपाध्यक्ष ने किया उद्घाटन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। गंगा नदी के तट पर स्थित च्यवन ऋषि आश्रम में रामा मेडिकल कॉलेज कानपुर की टीम द्वारा चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन भाकियू प्रदेश उपाध्यक्ष शमीम सिद्दीकी ने फीता काटकर किया। शिविर में सैकड़ो मरीज ने जांच करवाने के उपरांत चिकित्सा का लाभ लिया।

शनिवार को आयोजित चिकित्सा शिविर कार्यक्रम का फीता काटकर उद्घाटन करने के उपरांत भाकियू प्रदेश उपाध्यक्ष शमीम सिद्दीकी ने कहा कि गंगा नदी के तट पर चिकित्सा शिविर का आयोजन होने से क्षेत्रीय गरीबों एवं किसानों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि ऋषि मुनि की पौराणिक भूमि पर क्षेत्रीय लोगों की सेवा करना भी बहुत ही नेकी का काम है। समाजसेवी धर्मेंद्र प्रताप सिंह राजपूत उर्फ बबलू ठाकुर, जिलाध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह, जिला उपाध्यक्ष प्रमोद तिवारी ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में डॉ. अरिजीत सिंह सर्जन ने जानकारी देते हुए बताया कि चिकित्सा शिविर कैंप में लगभग दो सैकड़ा से अधिक महिला एवं पुरुष मरीज का परीक्षण किया गया। बीमार पाए जाने की दशा में निशुल्क दबाओं का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. प्रकाश मिश्रा, डॉ. अनु शुक्ला, नेत्र परीक्षण अधिकारी प्रबल गुप्ता, डॉ. तान्या, डेंटिस्ट डॉ श्याम श्रीवास्तव, आलोक तिवारी, अनुपम राठौर, तौहीद अंसारी सहित सत्यम प्रजापति, राहुल कुमार, अजय शेर, रामकिशोर मिश्रा, विनोद मिश्रा, शक्ति कुमार दीक्षित, नौमान सिद्दीकी आदि सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

विद्युत व विजिलेंस टीम ने 30 स्मार्ट मीटर जांच हेतु भेजे

मचा हडकम्प, बसूला तीन लाख पचहत्तर हजार का राजस्व

मोर्निंग सिटी संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। नगर में विद्युत विभाग एवं विजिलेंस टीम की संयुक्त कार्रवाई में शनिवार को बड़ी कार्यवाही की गई। टीम ने छापेमारी के दौरान 30 स्मार्ट मीटर जप्त कर जांच हेतु प्रयोगशाला भेजे। कार्रवाई के दौरान मीटरों में अनियमितता और विद्युत चोरी की आशंका जताई गई है।

शनिवार को विद्युत उपखण्ड अधिकारी पंकज कुमार एवं विजिलेंस टीम के अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध पाए गए सभी स्मार्ट मीटरों की तकनीकी जांच कराई जाएगी। जांच रिपोर्ट आने के बाद संबंधित उपभोक्ताओं के खिलाफ नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। अवर अभियंता राज कुमार नें बताया कि टीम को उपभोक्ताओं द्वारा बिजली खपत में गड़बड़ी की शिकायत मिल रही थी। इसी आधार पर की गई कार्रवाई में विभाग को 3 लाख 75 हजार रुपये का राजस्व बसूलने में सफलता मिली। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि बिजली चोरी किसी भी हाल में न करें, क्योंकि यह न केवल अपराध है बल्कि विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को भी प्रभावित करता है। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया कि आगे भी ऐसे औचक निरीक्षण और छापेमारी अभियान लगातार जारी रहेंगे। टीम में अवर अभियंता विकास कुमार सहित तमाम अधिकारी व पुलिस बल मौजूद रहा।

छोटी खबरें

पुलिस ने दस लीटर कच्ची शराब सहित युवक को दबोचा

गुरसहायगंज, कन्नौज। उच्चाधिकारियों के निर्देशन एवं प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुवे के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत बीती शाम हमराह सिपाहियों के साथ गस्त कर रहे उपनिरीक्षक नन्हेंलाल ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम तिगडा तिराहे के पास से रामआसरे पुत्र शिवराम सिंह निवासी ग्राम इंदुईयागंज के पास से 10 लीटर कच्ची शराब बरामद करते हुए हिरासत में ले लिया। कोतवाली पुलिस द्वारा आरोपी युवक के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

तीन लोगों पर जमीन कब्जा कर लेने का मुकदमा दर्ज

गुरसहायगंज, कन्नौज। क्षेत्र के ग्राम तेराजाकेट निवासी सुमन देवी पत्नी अवध बिहारी द्वारा कोतवाली में दर्ज कराए गए मुकदमे में कहा गया है कि विगत दिन पूर्व गांव में स्थित उसके खेत पर गांव के ही जयंत कुमार, सन्नत कुमार व मीरा देवी ने उसके खेत के खंबे उखाड़ दिए और जमीन पर कब्जा कर लिया। पीडिता की तहरीर पर कोतवाली पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज कर जॉच शुरू कर दी गई है।

विवाहिता को भगा ले जाने का मुकदमा दर्ज

गुरसहायगंज, नगर। निवासी युवक द्वारा कोतवाली में दर्ज कराए गए मुकदमे में कहा गया है कि नगर स्थित उसके घर से उसकी पत्नी को जिला कानपुर नगर के थाना बर्रा निवासी अभय सिंह पुत्र संतोष सिंह अपने साथियों के सहयोग से कहीं बहला फुसलाकर भगा ले गया और उसे जान से मारने की धमकी दी है। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

टैरिफ नीति पर भारत का हर निर्णय देशहित को ध्यान में रखकर होना चाहिए: कुलपति

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड कॉमर्स द्वारा वैश्विक परिदृश्य में चर्चित मुद्दे टैरिफ या व्यापार युद्ध अमेरिकी टैरिफ वृद्धि के वैश्विक प्रभावों को समझना विषय पर एक महत्वपूर्ण पैनल चर्चा का आयोजन कुलपति सभागार में किया गया। इस समूह चर्चा की अध्यक्षता कुलपति प्रो. पीके दशोरा ने की। चर्चा के दौरान प्राध्यापकों, अधिकारियों और विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए अमेरिका की टैरिफ नीतियों के वैश्विक प्रभावों पर विचार-विमर्श किया। इस चर्चा ने न केवल अमेरिका की नीतियों के वैश्विक प्रभावों पर प्रकाश डाला, बल्कि भारत की संभावनाओं और चुनौतियों पर भी गहन चिंतन का अवसर प्रदान किया। कुलपति प्रो. पीके दशोरा ने अपने संबोधन में कहा कि हमें अमेरिका पर नहीं, बल्कि भारत पर केंद्रित होकर चर्चा करनी चाहिए। अमेरिका की नीतियों को लेकर चिंतित होने की बजाय हमें अपनी रणनीति और ताकत पर विश्वास करना होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका की वर्तमान बौखलाहट अंततः उसकी हार में बदल जाएगी। हमें कहीं झुकने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ना चाहिए। युद्धों के बाद भी व्यापार चलता रहता है और भारत अपने प्रतिद्वंद्वियों को उचित जवाब दे रहा है। आज हमें बढ़ते देखकर पूरी दुनिया आश्चर्यचकित है, जबकि हमारे पड़ोसी देश हमारी प्रगति से असहज हैं। भारत का हर निर्णय देशहित को ध्यान में रखकर होना चाहिए। हमें अपनी सेना और सरकार पर पूर्ण विश्वास रखना चाहिए। 140 करोड़ की जनसंख्या हमारे लिए सबसे बड़ी शक्ति है, जो भारत को तेजी से प्रगति की ओर ले जाएगी। कुलसचिव ब्रिगेडियर समरवीर सिंह ने कहा कि आज पूरा विश्व भारत की ओर देख रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री की बात दोहराते हुए कहा कि आज का समय युद्ध का नहीं है। अमेरिका अक्सर अपने हथियारों की बिक्री के लिए युद्ध का माहौल बनाता है, जबकि भारत शांति और विकास का पक्षधर है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. दिनेश शर्मा ने अमेरिका की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि ट्रंप की नीतियां विश्व के लिए खतरा बन सकती हैं। उन्होंने कहा कि भारत को इस विषय पर स्पष्ट रणनीति अपनाने की आवश्यकता है।

सीएमओ कार्यालय में रेड क्रॉस समिति की बैठक में हुई चर्चा

डा. शरद द्विवेदी बनाये गये रेडक्रॉस समिति के जिला महासचिव

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कन्नौज। जिला मुख्यालय स्थित मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में रेड क्रॉस समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश सचिव रामानंद कटियार एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुदेश गुप्ता ने की। बैठक में जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने, गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए योजनाबद्ध कार्य करने में रेड क्रॉस की भूमिका को प्रभावी बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई।

शनिवार को आयोजित बैठक में रेडक्रॉस समिति द्वारा रक्तदान शिविरों के आयोजन, मरीजों को निःशुल्क दवाइयाँ उपलब्ध कराने और आपदा के समय राहत कार्यों को और तेज करने का निर्णय लिया गया। प्रदेश सचिव रामानन्द कटियार ने कहा कि रेड क्रॉस समाजहित और मानवीय सेवा का प्रतीक है। इसके माध्यम से जरूरतमंदों तक सहायता पहुँचाने में सभी को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। बैठक में रेड क्रॉस सोसाइटी से अधिक से अधिक सदस्यों को जोड़ने एवं आपातकालीन सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर विस्तार से चर्चा हुई। प्राइवेट हॉस्पिटल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. शरद द्विवेदी ने बताया कि उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक द्वारा उन्हें जिले के रेड क्रॉस सोसाइटी के महासचिव का दायित्व सौंपा गया है। बैठक में एसीएमओ त्रिपाठी, डॉ. शुक्ला, वाई.के. मंजुल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

अल-बरकात एजुकेशनल सोसाइटी ने आईटी संस्थान की शुरूआत की

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। अल-बरकात एजुकेशनल सोसाइटी, जो 1995 से शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रतीक रही है, ने सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक नया अध्याय जोड़ते हुए अल-बरकात इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (अइक्क्ळ) की स्थापना की है। इस संस्थान का उद्देश्य छात्रों को आधुनिक तकनीकी ज्ञान और कौशल से सुसज्जित कर भविष्य के लिए तैयार करना है।

नए संस्थान में पायथन, जावा, सी/सी++, सी#, वेब डिजाइनिंग, फुल-स्टैक डेवलपमेंट, डेटा एनालिटिक्स, बिग डेटा, एंड्रॉइड ऐप डेवलपमेंट तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसे अत्याधुनिक पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। इनमें से कई कोर्स प्रमाणपत्र (ऊी१ङ्मूंङ्ग) और डिप्लोमा स्तर पर उपलब्ध होंगे। संस्थान छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने पर विशेष जोर देगा। आधुनिक कंप्यूटर लैब, अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर संसाधन, कैरियर मार्गदर्शन तथा अनुभवी प्रशिक्षकों की देखरेख में विद्यार्थी अपने कौशल को निखार सकेंगे।

इस अवसर पर सोसाइटी के संयुक्त सचिव डॉ० अहमद मुजतबा अटारी, कार्यकारिणी सदस्य एस एम अमान, निदेशक नबील अशरफ, कार्यकारिणी सदस्य डॉ० एस० एम० उस्मान और कोऑर्डिनेटर डॉ० फहीम उस्मान सिद्दीकी उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने कहा कि यह संस्थान न केवल विद्यार्थियों को तकनीकी दृष्टि से सक्षम बनाएगा बल्कि उन्हें उद्योग की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करेगा। यह पहल शिक्षा और नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अल-बरकात एजुकेशनल सोसाइटी का यह नया प्रयास आने वाली पीढ़ी को तकनीकी क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए सशक्त बनाएगा।

दबंगो के आगे नतमस्तक हुई कासगंज पुलिस, पीड़ित हुआ डीआईजी के सामने पेश

11 अगस्त को लूट एवं जानलेवा हमले की घटना के आरोपी अभी तक पुलिस की गिरफ्त से दूर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़/कासगंज। एसएसपी ,डीआईजी, मुख्यमंत्री एवं अन्य बड़े अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के पास फरियादियों की भीड़ ऐसे ही नहीं लगी रहती है। इसका मुख्य कारण है कि थाने और चौकियों के द्वारा पीड़ितों की शिकायतों और एफआईआर पर उचित कार्रवाई न होना। स्वयं सोचने वाली बात है कि रोजाना सैकड़ो की तादाद में जिले के मुखिया एसएसपी के पास इतने लोगों की फरियाद क्यों आती हैं ? जवाब सीधा है क्योंकि उनकी सुनवाई थाने और चौकियों पर नहीं की जाती है । ऐसा ही एक मामला कासगंज के नदरई क्षेत्र का है, जहां पर 11 अगस्त को कुछ लोग जुआ खेल रहे थे, तभी वहां से दो युवक जीजा और साले जा रहे थे, जिन्होंने आरोपी लोगों से जुआ खेलने से मना किया। तभी जुआ खेलने वाले लोग उग्र हो गए और दोनों जीजा और साले पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में जीजा और साले को गंभीर चोटें आई। जिनके बाद

बमुश्किल थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। लेकिन लूट जैसी घटना में भी अभी तक आरोपी बाहर घूम रहे हैं। आश्चर्य की बात है कि आरोपी नदरई चौकी के सामने ही कार्य करते हैं जो कि दिन रात का पुलिस से सामना है। उसके बाद भी अगर आरोपी नहीं पकड़े जा रहे हैं तो स्वयं विचार मंथन वाली बात है। पुलिस की छवि धूमिल करने का एक खास कारण सरकारी मुलाजिमों के द्वारा यह भी है कि फरियादियों की शिकायतों पर उचित कार्रवाई न होना, जिसके कारण आए दिन जिले के मुखिया और अन्य उच्च स्तरीय अधिकारियों के पास फरियादियों की शिकायतों का तांता लगा रहता है। इस मामले में पीड़ित सचिन डीआईजी महोदय के समक्ष भी उपस्थित हो चुका है।

मुनाफे और महंगाई के दौर में भी सस्मित न्यूरो सेंटर में होती है समाज सेवा

देश के सैनिक और पुलिसकर्मियों को दी जाती है खास वरीयता

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। वर्तमान मुनाफे और महंगाई के दौर में भी कुछ खास लोग ऐसे हैं जो इंसानियत को तवज्जो देते हैं ना कि पैसे को, उनमें से एक हैं अलीगढ़ के विक्रम कॉलोनी स्थित सस्मित न्यूरो सेंटर के संचालक और न्यूरोसर्जन संजीव कुमार शर्मा। जी हां स्वयं में एक ऐसा नाम जो गरीब और बेसहारा लोगों की सबसे पहले जुबान पर आता है।

शुक्रवार के दिन मरीजों के लिए फ्री ओपीडी और देश के सैनिक और पुलिस कर्मियों के लिए भी ज्यादा से ज्यादा फ्री सेवा देना डॉक्टर संजीव कुमार शर्मा का मुख्य ध्येय बना हुआ है । जानकारी के अनुसार कई बड़े बुजुर्गों के ऑपरेशन के लिए जब परिवार वालों को पैसा खर्च करना फालतू और फिजूलखर्ची लगने लगता है तो डॉक्टर संजीव कुमार शर्मा के द्वारा वह ऑपरेशन फ्री में किए जाते हैं । क्योंकि उनको पैसे से ज्यादा इंसानियत में विश्वास है । शुक्रवार को आने वाली सभी ओपीडी फ्री होती हैं , जिसको लेकर मरीजों में भी उत्साह रहता है और ज्यादा से ज्यादा मरीज फ्री ओपीडी में दिखाने के लिए पहुंचते हैं।

जिलाधिकारी प्रणय सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स पी.ए.आई. विषय पर जनपद स्तरीय कार्यालय एवं जनपद स्तरीय गठित समिति की बैठक का आयोजन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। जिलाधिकारी प्रणय सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स पी.ए.आई. विषय पर जनपद स्तरीय कार्यालय एवं जनपद स्तरीय गठित समिति की बैठक का आयोजन किया गया, सर्वप्रथम जिलाधिकारी के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान जिला पंचायत राज अधिकारी ने कार्यक्रम के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एल.एस.डी.जी. (स्थानीय सतत विकास लक्ष्यों) की नौ थीमों के अनुसार संचालित योजनाओं को ग्राम पंचायत विकास योजना में सम्मिलित कराते हुए किया जाए और इसके साथ ही प्रशिक्षक नितेश श्रीवास्तव ने सतत विकास लक्ष्यों पर विस्तृत चर्चा करते हुए विषयवार पी.ए.आई. 2.0 में पूछे गए प्रश्नों का उत्तर क्या दिया जाना चाहिए पर प्रकाश डाला द्य प्रशिक्षक अशोक कुमार के द्वारा पंचायत डेवलपमेंट इंडेक्स पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स पी.ए.आई. 1.0 के अंतर्गत ग्राम पंचायतों द्वारा ऑनलाइन किये गए डाटा का प्रदर्शन किया गया तथा जनपद का प्रदेश में तथा ग्राम पंचायतों का जनपद अथवा विकास खंड में क्या रैंक प्राप्त हुयी है और वह किस श्रेणी के अंतर्गत परफोर्म कर रहा है आदि का प्रदर्शन किया द्य इसी प्रकार पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स पी.ए.आई. 2.0 के बारे में समझाते हुए लाइव पोर्टल पर किस प्रकार से एंट्री की जानी है आदि पर प्रकाश डाला पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स की अवधारणा को विकास खंड की समस्त ग्राम पंचायतों में बेहतर तरीके से लागू करने हेतु समस्त संबंधित को बताया गया। अंत में मुख्य विकास अधिकारी सचिन के द्वारा अवगत कराया गया कि सभी ग्राम पंचायतों के द्वारा सही डाटा सही समय पर पोर्टल पर फीड कर दिया जाये। जिलाधिकारी प्रणय सिंह के द्वारा बैठक में उपस्थित समस्त अधिकारिओं को निर्देश दिए गए कि अपने-अपने विकास खंड स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित कर दें कि वह ग्राम पंचायतों को तत्काल डाटा उपलब्ध करा दें, जिससे ग्राम पंचायतों के द्वारा सही डाटा पोर्टल पर फीड किया जा सके इसके साथ ही प्रशिक्षण के समापन की घोषणा की गयी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद स्तरीय समस्त अधिकारीध्समिति के सदस्यों के साथ-साथ पत्रकार बन्धु आदि मोजूद रहे।

नकली दवा की बिक्री पर बड़ी कार्रवाई, दो मेडिकल दुकानों और गोदामों को किया गया सील

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। शहर के फव्वारा दवा बाजार में नकली दवाओं की बिक्री के मामले में शुक्रवार दोपहर को बड़ी कार्रवाई की गई। सहायक औषधि आयुक्त अतुल उपाध्याय के निर्देश पर एसटीएफ और एसओजी की टीम ने बंसल मेडिकल और हेमा मेडिकल पर छापा मारा। इस कार्रवाई के दौरान दोनों दुकानों के साथ उनके गोदामों को भी सील कर दिया गया। सहायक औषधि आयुक्त अतुल उपाध्याय ने मीडिया को बताया कि जांच में पता चला है कि नामचीन कंपनियों जैसे सन फार्मा, जाइडस और ग्लेनमार्क की दवाओं के डुप्लीकेट तैयार करके बाजार में बेचा जा रहा था। शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई करते हुए टीम ने पहले बंसल मेडिकल और उसके गोदाम की जांच शुरू की और उसके बाद हेमा मेडिकल और उसके गोदाम को भी सील किया गया।

टीम ने कई घंटों तक दवाओं का निरीक्षण किया, लेकिन स्टॉक अधिक होने के कारण पूरी जांच नहीं की जा सकी।

सर्व मानव कल्याण सेवा संस्थान ट्रस्ट ने मनायी संस्थापक की 13वीं पुण्यतिथि

अपना घर आश्रम पर प्रभूजनो को कराया भोजन प्रसाद व अन्य कार्यक्रम

अपना घर आश्रम के कार्यलय प्रभारी व प्रभूजन सेवको किया सम्मानित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। जनपद कासगंज के लहरा गंगाजी घाट सोरों स्थित अपना घर आश्रम सोरों जी पर सर्व मानव कल्याण सेवा संस्थान ट्रस्ट के संस्थापक सत्यप्रकाश पाण्डेय जी की 13 वीं पुण्य तिथि पर प्रभूजनो को भोजन प्रसादी करायी । संस्था के संरक्षक डा उपेन्द्र पाण्डेय, राजीव तिवारी,प्रबन्धक विक्रम पाण्डेय ने सत्य प्रकाश जी के जीवन पर प्रकाश डाला व उनके बताये रास्ते पर चलने का संकल्प भी लिया। वही प्रभूजनो की भोजन प्रसादी सेवा के उपरान्त सर्व मानव कल्याण सेवा संस्थान ट्रस्ट द्वारा अपना घर आश्रम के कार्यलय प्रभारी रमेश ,सत्य पाल मनीष केयर टेकर ,माखन नीतू भोजन प्रसादी बनाने वालो को पटका पहनाकर व सम्मान पत्र देकर सम्मानित भी किया। व अपना घर आश्रम के कार्यलय प्रभारी रमेश व उनके साथियो द्वारा संस्था के पदाधिकारियो को भी सम्मनित भी किया गया। इसके उपरान्त वही पाठक पुर स्थित कुष्ठ आश्रम पर संस्था द्वारा वस्त्र भी वितरित किये। व कटरा मठ स्थित कार्यलय पर अन्य धार्मिक कार्यक्रमो का भी आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सर्व मानव कल्याण सेवा संस्थान ट्रस्ट की अध्यक्ष अल्का पाण्डेय,कोषाध्यक्ष शकुन्तला देवी, गीता तिवारी, नगर अध्यक्ष शिवम भारद्वाज,हर्ष तिवारी,यश उपाध्याय,पलक पाण्डेय विभू पाण्डेय, परिधि पाण्डेय सहित आदि मौजूद रहैं।

छोटी खबरें

जिलाधिकारी प्रणय सिंह की अध्यक्षता में कर-करेत्तर की समीक्षा बैठक हुयी आयोजित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। जिलाधिकारी प्रणय सिंह की अध्यक्षता में कर-करेत्तर समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) दिग्विजय सिंह, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) मंजूर अहमद उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने समीक्षा बैठक में कर-करेत्तर की समीक्षा के दौरान आबकारी, व्यापार कर, स्टाम्प शुल्क, विद्युत देयों की वसूली, नगर निकायों में राजस्व संग्रह की स्थिति, खनन, मण्डी समिति, बांट माप, खाद्य एवं सुरक्षा सहित अन्य राजस्व संग्रह से सम्बन्धित विभागों द्वारा लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व देयों की वसूली की विस्तृत समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी नें लक्षित राजस्व देयों की वसूली में सुधार लाते हुये समय सीमा के अन्दर शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने का निर्देश दिया। बैठक में जिला वनाधिकारी, उप जिलाधिकारी कासगंज, उपजिलाधिकारी पटियाली, उपजिलाधिकारी सहावर, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, एआरटीओ, जिला आबकारी अधिकारी, विद्युत, मण्डी सचिव, ईओ, उपस्थित रहे।

पुलिस ने हार जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे आठ लोग किए गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। पुलिस अधीक्षक कासगंज अंकिता शर्मा के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक कासगंज राजेश कुमार भारती के पर्यवेक्षण में जनपद में अवैध जुआध्सट्टा के विरूद्ध चलाये जा रहे। अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी सहावर शाहिदा नसरीन के नेतृत्व में देर शाम थाना सहावर पुलिस द्वारा हार जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे 08 अभि0गण को छुट्टू मियां के आम के बाग के पास से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है । गिरफ्तार अभि0गण के कब्जे से 3520ध- रुपये नकद एवं ताश पत्ते बरामद हुए है । अभि0गण की गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना सहावर पर मु0अ0सं0 454ध25 धारा 13 जुआ अधिनियम पंजीकृत कर अभि0गण के विरूद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गयी है । जिसमें मनोज कुमार पुत्र रामबाबू, टिंकू पुत्र ओमप्रकार, विशाल पुत्र इतवारीलाल, विरजन पुत्र नरायन सिंह, अर्जुन पुत्र नाथूराम, सतीश पुत्र ओमप्रकाश, निवासीगण आशू पुत्र मसरूर निवासी मौ० चैधरी कस्बा व थाना सहावर जनपद कासगंज, वीर सिंह पुत्र कैलाश निवासी मौ० भीमनगर कस्बा व थाना सहावर जनपद कासगंज को गिरफ्तार कर जेल भेजा।

गाँव किलोनी में शनिवार सुबह दर्दनाक हादसा गाँव के ग्रीश उपाध्याय की गाय की मौत विद्युत लाइन के लट्ठे से आ रहे करंट की चपेट में आने से हो गई

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज/सिढ़पुरा। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 9 बजे ग्रीश उपाध्याय का बेटा करन गाय को नहलाने ले जा रहा था। तभी रास्ते में बिजली के लठ्ठे पर लगे नग्न तार में करंट दौड़ रहा था। जैसे ही गाय का संपर्क तार से हुआ, करंट लगते ही उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। बताया गया कि मृत गाय जल्द ही बछड़ा देने वाली थी। उसकी अनुमानित कीमत लगभग 40 हजार रुपये बताई जा रही है। हादसे के बाद ग्रीश उपाध्याय का परिवार गहरे सदमे में है। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली विभाग की लापरवाही के कारण यह घटना हुई है। पीड़ित परिवार ने विद्युत विभाग से मुआवजे की मांग की है।

जिलाधिकारी प्रणय सिंह ने पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के साथ आर.टी.ओ कार्यालय का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया

जिलाधिकारी ने साफ-सफाई, आमजन की सुविधा और कार्य प्रकिया को अधिक पारदर्शी बनाने के दिये निर्देश

फाइलो का रख रखाओ ठीक से होना चाहिए किसी भी प्रकार की शिकायतें प्राप्त नहीं होनी चाहिए

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। जिलाधिकारी प्रणय सिंह ने पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के साथ आर.टी.ओ कार्यालय का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने सभी पटल का निरीक्षण कर आरटीओ कार्यालय के स्टाफ की उपस्थिति को चेक कर साफ-सफाई के निर्देश दिए निरीक्षण के समय रिकॉर्ड रूम में फाइलों के रखरखाब देख नाराजगी व्यक्त करते हुये रिकॉर्ड रूम को और ठीक करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने आर.टी.ओ को निर्देश दिये जनता की समस्या का निष्ठा पूर्ण तरीके से सुनकर समाधान किया जाए उन्होंने कहा कि समय से सभी स्टाफ की उपस्थिति मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने साफ-सफाई, आमजन की सुविधा और कार्य प्रकिया को अधिक पारदर्शी बनाने के दिये निर्देश निरीक्षण के समय आरटीओ कार्यालय में सभी स्टाफ उपस्थित पाया गया।

अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) मंजूर अहमद की अध्यक्षता में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय के फील्ड मार्शल, सैम मानेकशॉ सभागार कलैक्ट्रेट परिसर, कासगंज में किया गया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) मंजूर अहमद की अध्यक्षता में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय के फील्ड मार्शल, सैम मानेकशॉ सभागार कलैक्ट्रेट परिसर, कासगंज में किया गया। सर्वप्रथम जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिक पुनर्वास अधिकारी, कमाण्डर जगबीर सिंह (अ०प्रा०) ने महोदय से अनुमति प्राप्त कर जिला सैनिक बन्धु बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ की और सभी पूर्व सैनिकों को पिछली बैठक में प्राप्त प्रार्थनापत्रों की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया गया और बैठक में प्राप्त प्रार्थना पत्रों में से बैठक में उपस्थित विभागीय अधिकारियों ने प्रार्थना पत्रों पर त्वरित कार्यवाही का आश्वासन दिया है। अपर जिलाधिकारी ने पूर्व सैनिकों द्वारा समाज व जिले के उत्थान के लिए विद्यालयों में चलाये जा रहे कार्यक्रम कैरियर काउंसलिंग, सड़क सुरक्षा, व अग्नि सुरक्षा सम्बंधी कार्यों की सराहना की है और वैठक के दौरान कमांडर जगबीर सिंह (अ०प्रा०) जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने केन्द्रीय सरकार व राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं से पूर्व सैनिकों व उनके आश्रितों को अवगत कराया। स्टेशन हैडक्वार्टर, आगरा से मेजर एम.पी. सिंह ने वीडिओ कान्फ्रेंस के माध्यम से जिला सैनिक बन्धु वैठक में प्रतिभाग लिया है और जनपद के विभिन्न विभागों के अधिकारियों (अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका कार्यालय, कासगंज, जिला पूर्ति अधिकारी, कासगंज, पुलिस क्षेत्राधिकारी, कासगंज, पुलिस अधीक्षक कार्यालय से निरीक्षक गोपाल सिंह व निरीक्षक यतीन प्रताप सिंह एवं पुलिस थानाध्यक्ष ढोलना श्री रामदत्त सिंह) ने भी उक्त वैठक में प्रतिभाग लिया। बैठक में उपाध्यक्ष ऑनरेरी लेफ्टिनेन्ट सत्यप्रकाश राजपूत एवं ऑनरेरी कैप्टेन धर्मन्द्र सिंह सोलंकी अध्यक्ष पूर्व सैनिक संगठन सहित लगभग 25-30 पूर्व सैनिक, वीरांगनाएँ एवं उनके आश्रित उपस्थित थे।

बैठक के दौरान पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की तरफ से 05 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुऐ जिनको अपर जिलाधिकारी महोदय के समक्ष रखा गया जिस पर अपर जिलाधिकारी द्वारा सभी के प्रार्थनापत्र सम्बन्धित विभागों को भेजने के निर्देश दिये गये। अन्त में किसी का कोई बिन्दु न आने पर सूक्ष्म जलपान के बाद बैठक सम्पन्न हुई।

जिला स्तरीय नवप्रवर्तन प्रदर्शनी में अधिक से अधिक प्रतिभागिता करें नवाचार- सी डी ओ

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग उत्तर प्रदेश शासन एवं जिलाधिकारी प्रणय सिंह के निर्देशन में असंगठित क्षेत्र के नव प्रवर्तकों को हेतु जिला स्तरीय नवप्रवर्तन प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 17 सितंबर को श्री गणेश इंटर कॉलेज के सभागार में किया जा रहा है। प्रदर्शनी को सफल बनाने के लिए सीडीओ सचिन ने बैठक कर संबंधित विभागीय अधिकारियों को नवाचार प्रदर्शनी में अधिक से अधिक लाभार्थी ध प्रतिभागियों को प्रतिभागीता कराए जाने हेतु निर्देश दिए हैं।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अपने-अपने विभागों के नव प्रवर्तकों का दिनांक 15 सितम्बर 2025 को 5 बजे तक कार्यालय जिला विज्ञान क्लब श्री गणेश इंटर कॉलेज कासगंज में पंजीकरण आवश्यक रूप से करा दें, जिससे उन्हें प्रदर्शनी में प्रतिभाग करने में कोई परेशानी ना हो।

जिला समन्वयक विज्ञान क्लब डॉ जयंत कुमार गुप्ता ने बताया कि असंगठित क्षेत्र के नव प्रवर्तकों हेतु नव प्रवर्तन प्रदर्शनी में यथा मिस्त्री, कारीगर,किसान मजदूर, शिल्पकार, साधारण विद्यार्थी, नीम हकीम आदि अपने नवाचारों का प्रस्तुतीकरण करेंगे। जिला विज्ञान द्वारा प्रथम विजेता प्रतिभागी को ?8000 की धनराशि, द्वितीय को 5000 रुपए की धनराशि एवं तृतीय प्रतिभागी को ?3000 की धनराशि के अतिरिक्त पांच सांत्वना पुरस्कार दो ?2000 की धनराशि के प्रदान किए जाएंगे।

बैठक में उप जिलाधिकारी सुशांत सांवरे एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सूर्य प्रताप सिंह ने प्रदर्शनी के सफल आयोजन हेतु अपने-अपने विचार रखे। इस अवसर पर महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र चंद्रभान भास्कर, जिला उद्यान अधिकारी रवि शंकर जायसवाल, डीपीआरओ देवेंद्र कुमार सिंह, एम आई एस मैनेजर कौशल विकास मिशन,जिला खादी ग्राम उद्योग आदि उपस्थित रहे।

पुलिस बिल्डिंग मैटेरियल की दुकान में चोरी की घटना को अंजाम देने वाले अभियुक्त को किया गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। वादी बलराम गुप्ता पुत्र सियराम गुप्ता ग्राम खडिया पोस्ट नमैनी थाना व जिला कासगंज द्वारा थाना सोरों पर लिखित तहरीर देकर अवगत कराया कि मेरी नगला उल्फत चैराहा (कैडी) थाना क्षेत्र सोरों पर गुप्ता जी बिल्डिंग मैटेरियल की दुकान से दिनांक 05.08.2025 को गल्ले में रखें 50,750ध- रुपये चोरी हो गए हैं । उपरोक्त घटना की सीसीटीवी रिकार्डिंग देखने पर ज्ञात हुआ कि उक्त रुपये अतेन्द्र सिंह उर्फ छविराम पुत्र देव निवासी ग्राम चण्डौस थाना सोरों ने चोरी किए हैं । घटना के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना सोरों पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 393ध2025 धारा 305 बीएनएस बनाम छविराम पंजीकृत कर अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही प्रारम्भ की गई । पुलिस अधीक्षक कासगंज अंकिता शर्मा के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक कासगंज राजेश भारती के पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी नगर आंचल चैहान के नेतृत्व में थाना सोरों पुलिस द्वारा मुकदमा उपरोक्त में वांछित अभियुक्त अतेन्द्र उर्फ छविराम पुत्र श्रीदेव उर्फ सियाराम को षुक्रवार की देर शाम ग्राम सियारपुर जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है । गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से चोरी किए गए 4200ध- रुपए बरामद हुये हैं । पूछताछ में अभियुक्त द्वारा जुर्म का इकबाल करते हुए दुकान से 50,750ध रुपए चोरी करना व शेष रुपए शौकध्मौज-मस्ती में खर्च करना स्वीकार किया गया है । गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है ।

खरीफ मौसम के लिए उर्वरक उपलब्धता और विक्रेताओं की निगरानी पर बैठक आयोजित

आगरा। वर्तमान खरीफ मौसम में कृषकों को आवश्यक मात्रा के अनुसार उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुक्रवार 23 अगस्त 2025 को विकास भवन के सभागार में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जनपद के विभिन्न विक्रेताओं की बिक्री पर सतत निगरानी रखने, स्टॉक और रेट की जानकारी की समीक्षा करने पर विशेष ध्यान दिया गया। बैठक में जिला कृषि अधिकारी ने उपस्थित सदस्यों को जानकारी दी कि यूरिया, डी०ए०पी० और एन०पी०के पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं और किसानों को इनकी आपूर्ति नियमित रूप से की जा रही है। बैठक में जनपद के 11 कंपनियों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए और उन्होंने अपने-अपने विक्रय केंद्रों पर स्टॉक और बिक्री की स्थिति पर रिपोर्ट प्रस्तुत की। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी उपस्थित प्रतिनिधियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि विक्रय केन्द्रों पर रेट बोर्ड, स्टॉक रजिस्टर और कैश मीमो सुनिश्चित किया जाए और उर्वरकों की बिक्री केवल निर्धारित दरों पर की जाए। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि यूरिया, डी०ए०पी० और एन०पी०के की निरंतर उपलब्धता बनाए रखना सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसानों को खरीफ मौसम में किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।

\सटीक आंकड़ों से योजनाएं होंगी पारदर्शी, कार्यशाला में मिली तकनीकी जानकारी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस तकनीक से होगा प्रभावी विकास कार्यान्वयन

रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन कार्यशाला सम्पन्न, तकनीक से विकास योजनाओं को मिलेगी नई दिशा-एडीएम सिटी

अलीगढ़ । अपर जिलाधिकारी नगर अमित कुमार भट्ट की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 उदयराज, डा0 कौशलेन्द्र सिंह एवं परियोजना वैज्ञानिक डा0 जय कुमार मिश्रा एवं हिमांशु कुमार द्वारा रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशंस सेंटर में विभिन्न परियोजनाओं में रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस तकनीक का उपयोग करके जिलेवार तैयार किए गए डिजिटल डेटाबेस का प्रस्तुतीकरण करते हुए विस्तृत जानकारी साझा की। वैज्ञानिकों द्वारा बताया गया कि मा0 मुख्यमंत्री जी के विजन के अनुसार उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँचाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस तकनीक के माध्यम से कार्य किए जा रहे हैं। उदाहरण के तौर पर उन्होंने बताया कि फसलों की कटाई से पहले हम पैदावार की सटीक सूचना देते हैं, जिससे एमएसपी निर्धारण एवं भण्डारण में मदद मिलती है।

वैज्ञानिकों एवं विषय विशेषज्ञों ने बताया कि रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस तकनीक का उपयोग कृषि, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, सिंचाई, सड़क, नलकूप, जल निगम, प्राकृतिक आपदा प्रबंधन, वन एवं जलसंचयन जैसे विविध क्षेत्रों में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भुवन पोर्टल के माध्यम से भी जानकारियां प्राप्त की जा सकती हैं। इस तकनीक से न केवल आंकड़े एकत्रित और सुरक्षित रहते हैं, बल्कि उनमें गलती या कमी की संभावना भी न्यूनतम होती है। वर्कशॉप में प्रधानमंत्री गति शक्ति पोर्टल के माध्यम से भी विभिन्न विभागों के डाटाबेस के बारे में जानकारी दी गई। एडीएम सिटी ने अधिकारियों से कहा कि विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में इस तकनीक का प्रयोग करें। सटीक आंकड़े उपलब्ध होने से योजनाओं की पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित होगी। कार्यशाला में यह भी बताया गया कि इस तकनीक के माध्यम से वृक्षारोपण एवं वृक्ष आच्छादन की वास्तविक स्थिति का पता लगाया जा सकता है और किसी भी कार्य के दोहराव को रोका जा सकता है। कार्यशाला में सभी जिलास्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सासनी-नानऊ मार्ग पर किले की खाई में युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। सासनी-नानऊ मार्ग स्थित किले की खाई में करीब 25 वर्षीय युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान नगला जहरू निवासी दिनेश पुत्र विनोद कुमार के रूप में हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।जानकारी के अनुसार, दिनेश 11 अगस्त को अचानक घर से गायब हो गया था। परिजनों ने दो दिन बाद गुमशुदगी दर्ज कराई थी। शनिवार को राहगीरों ने खाई में बदबू महसूस कर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने झाड़ियों में शव पाया। मृतक की शिनाख्त उसके चाचा और भाई ने की।पुलिस ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवा दिया गया है। युवक की मौत के कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा। परिजनों में कोहराम मचा हुआ है और पुलिस मामले की छानबीन में लगी हुई है।

अपना दल (एस) के जिला कार्यालय का हुआ उद्घाटन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। अपना दल (एस) के प्रदेश उपाध्यक्ष एससी-एसटी मंच, रमेश चंद्र कुंण्डे ने नगर के इगलास रोड रत्नगर्भा कॉलोनी में स्थित पार्टी के नए जन संपर्क कार्यालय का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि पार्टी 75 जिलों से सभी विधायकों की जीत सुनिश्चित करेगी और अब जिले के लोगों की समस्याओं का निपटारा और तेजी से होगा।रमेश चंद्र कुंण्डे ने कहा कि पार्टी का जनाधार लगातार बढ़ रहा है और कार्यकर्ता जनहितैषी नीतियों को आम जनता तक पहुंचा रहे हैं। अपना दल (एस) के हाथरस जिलाध्यक्ष रवि सारस्वत ने बताया कि पूरे उत्तर प्रदेश में जिला कार्यालय खोले जा रहे हैं और अब कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर लोगों को सदस्यता दिलाने और उनके दिल में पार्टी के लिए जगह बनाने का काम करेंगे।जिलाध्यक्ष ने कहा कि पार्टी का लक्ष्य दबे, शोषित और सामान्य वर्ग को सही दिशा में मार्गदर्शन देना है, ताकि किसी भी सामाजिक प्राणी का अहित न हो और सभी को स्वतंत्र जीवन जीने का अवसर मिले। उन्होंने बताया कि पार्टी की मांग पर यूपी सरकार ने कई गांवों में सौर ऊर्जा और पानी की व्यवस्थाएँ लागू की हैं।

सासनी में लव-कुश शोभायात्रा धूमधाम से निकाली गई

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस।श्री हरिहर प्रभात मण्डल कुशवाह समाज जरैया के सौजन्य से रविवार को लव-कुश शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का शुभारंभ पंचवटी सचदेवा मंदिर से आढ़ती भूदेव सिंह कुशवाह द्वारा किया गया। दीप प्रज्वलन कर श्री कुशवाह क्षत्रिय संघ के पूर्व अध्यक्ष गोकुल चंद कुशवाह और सपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र कुशवाह ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया।मुख्य अतिथि मैडू नगर पंचायत चेयरमैन सचेन्द्र कुमार कुशवाहा रहे। शोभायात्रा आकर्षक झांकियों व बैंड के साथ नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई वेद प्रकाश की बगीची में संपन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता मेघ सिंह कुशवाह ने तथा संचालन राजकुमार कुशवाह ने किया।

संविलियन विद्यालय समामई में नेशनल स्पेस डे पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस।नेशनल स्पेस डे पर संविलियन विद्यालय समामई में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी सासनी शशिबाला रहीं। इस अवसर पर डॉ. पुष्पेंद्र सिंह ने बच्चों को वायुमंडल के प्रकार, अंतरिक्ष का विस्तार, दिन-रात का कारण और सैटेलाइट के महत्व पर जानकारी दी। बीईओ शशिबाला ने विद्यार्थियों को भारत ऑन द मून पोर्टल से जुड़ने की प्रेरणा दी। प्रतियोगिता में आरती, सुमन, संध्या, हर्ष, सद्दाम, तनू, सलमान, मायरा, किशन, कृपन और अनुज प्रताप सिंह विजयी रहे। विजेताओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापक आदर्श दीक्षित ने और संचालन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह ने किया।

महिला ने युवक पर दुष्कर्म व ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। थाना गेट कोतवाली क्षेत्र में एक महिला ने अपने ही मोहल्ले के युवक पर दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि आरोपी ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो भी बना लिया।आरोपी वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देकर उसे लगातार ब्लैकमेल कर रहा है, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान है। महिला ने पुलिस से त्वरित कार्रवाई की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि यदि न्याय न मिला तो वह आत्महत्या करने को विवश हो जाएगी।पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। साथ ही, मामले की गंभीरता को देखते हुए पीड़िता की सुरक्षा के निर्देश भी दिए गए हैं।

श्री दाऊजी महाराज महोत्सव में आयोजित होगा विराट अखिल भारतीय कुश्ती दंगल

विराट दंगल में पहली बार विदेशी पहलवानों की कुश्तियां

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। ब्रज के ऐतिहासिक और प्रान्तीय रूप से प्रसिद्ध 114वें लक्खी मेला श्री दाऊजी महाराज महोत्सव में इस वर्ष आयोजित होने वाला विराट अखिल भारतीय कुश्ती दंगल ऐतिहासिक और दर्शनीय होगा। दंगल की तैयारियाँ जोरों पर हैं और सभी कुश्तियां पारंपरिक नियमों व परम्पराओं के अनुसार आयोजित की जाएँगी। यह जानकारी प्रेस वार्ता में दंगल संयोजक एवं ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष पं॰ संदीप शर्मा ने दी।

पं॰ संदीप शर्मा ने बताया कि ब्रज के राजा श्री दाऊजी महाराज व रेवती मैया का प्राचीन मंदिर महोत्सव स्थल पर स्थित है, और दाऊ बाबा के प्रिय खेल मल्ल विया का प्राचीन दंगल मेला हमेशा से यहाँ आयोजित होता रहा है। उन्होंने कहा कि दाऊ बाबा का अखाड़ा देश में नामी पहलवानों का उद्गम स्थल रहा है। इस बार दंगल में भारत केशरी, हिन्द केशरी, उ॰प्र॰ केशरी, महाराष्ट्र केशरी, अज केशरी के साथ-साथ कई ओलंपिक प्रतिभागी पहलवान भी भाग लेंगे।इस वर्ष विराट दंगल में सबसे बड़ा आकर्षण यह होगा कि पहली बार हाथरस की धरती पर विदेशी पहलवान भी हिस्सा लेंगे। दंगल आयोजन के लिए विशेष कमेटी का गठन किया गया है, जिसमें पं॰ श्यामसुंदर शर्मा (दंगल अध्यक्ष), मदन गोपाल वाशणेय (सह संयोजक), ब्रजेश सारस्वत (सह संयोजक), अभिषेक रंजन आर्य (मुख्य व्यवस्थापक), विकास भारद्वाज व डॉ. ललितेश शर्मा (मीडिया प्रभारी), यवन चौहान (कोषाध्यक्ष) सहित कई प्रमुख लोग शामिल हैं।विवरण के अनुसार 29 अगस्त को दोपहर 2 बजे से हनुमान जी की शोभा यात्रा अटलटाल अखाड़ा से प्रारम्भ होकर दंगल स्थल तक जाएगी। इस शोभा यात्रा में झांकियां, गदाधारी पहलवान, भजन, वाद्य व भव्य ध्वज पताका शामिल होंगे। दंगल स्थल पर प्रतिदिन समाजसेवी, उद्यमी, व्यापारी, प्रशासनिक अधिकारी, पत्रकार और शुभचिंतक आमंत्रित रहेंगे और उनका स्वागत व सम्मान किया जाएगा।

ताजमहल में बिछड़ी बच्ची को ताज सुरक्षा पुलिस ने मात्र 20 मिनट में परिजनों से मिलाया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। हरियाणा के पानीपत से ताजमहल देखने आए पर्यटक चंदन कुमार वर्मा की 5 वर्षीय बेटी आराध्या वर्मा 22 अगस्त 2025 की सुबह लगभग 05:30 बजे ताजमहल के पश्चिमी गेट से बाहर आते समय भीड़ में अपने परिजनों से बिछड़ गई। घटना की जानकारी मिलने के तुरंत बाद परिजनों ने क्विक रिस्पांस टीम के प्रभारी उप निरीक्षक शिवराज सिंह को सूचित किया। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक थाना ताज सुरक्षा तिलकराम भाटी के निर्देशन में बच्ची की खोज शुरू कर दी गई। ताज सुरक्षा पुलिस ने तत्काल सीसीटीवी फुटेज की जांच, रेडियो अनाउंसमेंट और आरटी सेट के माध्यम से संदेश का प्रसारण किया। ताज सुरक्षा पुलिस की सक्रियता और तत्परता के कारण मात्र 20 मिनट के भीतर बच्ची को ताजमहल के पश्चिमी गेट के सामने नीम तिराहा बैरियर से खोज लिया गया और परिजनों के पास सुरक्षित पहुँचाया गया। बच्ची के मिल जाने पर उसके परिजन भावुक हो गए और आगरा पुलिस की इस तत्परता और सक्रियता के लिए आभार व्यक्त किया।

चोर समझकर पीटे गए अंकुर गुप्ता की हालत नाजुक, दिल्ली रेफर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। चोर होने की अफवाह पर आधारित हिंसा की घटनाएँ कासगंज जनपद में लगातार निर्दोष लोगों की जान पर भारी पड़ रही हैं। गंजडुंडवारा कोतवाली क्षेत्र के गनेशपुर गाँव में कपड़ा व्यापारी अंकुर गुप्ता को गुरुवार रात्रि ग्रामीणों ने चोर समझकर पीट दिया। हालत गंभीर होने पर शुक्रवार रात्रि उन्हें दिल्ली रेफर किया गया, जहाँ उनका इलाज जारी है।

गनेशपुर की घटना

मोहल्ला धनपाल निवासी अंकुर गुप्ता किसी काम से गनेशपुर गए थे। रात में वह बस स्टैंड के पास लघुशंका करने गए तो ग्रामीणों ने उन्हें संदिग्ध मानकर चोर समझ लिया और पकड़कर बेरहमी से पीट डाला। गंभीर रूप से घायल अंकुर को पहले स्थानीय स्तर पर उपचार दिया गया, लेकिन हालत बिगड़ने पर दिल्ली रेफर करना पड़ा।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने दो नामजद सहित 15-20 अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है। रम्पुरा, पटियाली बीते बुधवार रात्रि एक मंदबुद्धि महिला भटककर गाँव पहुँची थी। ग्रामीणों ने उसे संदिग्ध मानकर खंभे से बाँधकर पीटा। वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने 2 नामजद सहित 22 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया।

सिढ़पुरा 15 अगस्त की रात स्लामनगर निवासी नन्दकिशोर को भी ग्रामीणों ने चोर-चोर कहकर पकड़ लिया और मारपीट की। वह गंभीर रूप से घायल हुए और उनका इलाज चलता रहा। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर दोषियों पर कार्रवाई की माँग की है।

पुलिस की अपील

एसपी अंकिता शर्मा ने कहा कि लोग अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध की सूचना तुरंत पुलिस को दें। उन्होंने चेतावनी दी कि कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बढ़ती चिंता

लगातार सामने आ रही घटनाएँ यह दशार्ती हैं कि चोर होने की अफवाहें तेजी से भीड़ हिंसा का रूप ले रही हैं। निर्दोष लोग पीड़ित हो रहे हैं और वायरल वीडियो से समाज में भय का माहौल गहराता जा रहा है।

दीवार कूदकद घर में घुसकर लाखों का सामान चोरी

- पुलिस ने किया मौका मुआयना, फोरेंसिक टीम ने लिए नमूने

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। बिछवां थाना क्षेत्र के गांव अंजनी में शुक्रवार रात दीवार कूदकर घर में घुसे चोर बक्सा उठाकर छत पर ले गए। जहां चोरों ताले तोड़कर बक्सों में रखे लाखों के आभूषण और 15 हजार की नकदी चोरी कर ली। शनिवार सुबह जागने पर परिजनो को चोरी होने की जानकारी हो सकी। सूचना पर फारेंसिक टीम के साथ पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। बिछवां थाना क्षेत्र के गांव अंजनी निवासी मनोज कुमार शुक्रवार की रात खाना खाने के बाद परिजन के साथ सोने के लिए चले गए। रात में चोरों ने दीवार कूदकर घर में प्रवेश किया। चोर कमरे में रखे बक्से को उठाकर छत पर ले गए। जहां ताले तोड़कर चोरों ने बक्से में रखी सोने की दो चेन, दो अंगूठी, मंगलसूत्र, पायल और 15 हजार की नकदी चोरी कर ली। शनिवार सुबह जब परिजन जागे तो घर में चोरी होने की जानकारी हो सकी। इधर उधर तलाश करने पर छत पर बक्सा भी मिल गया। घटना की सूचना पर बिछवां थानाध्यक्ष आशीष दुबे फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घटना के बारे में पीड़ित से जानकारी की. इस संबंध में बिछवां एसओ ने बताया कि पुलिस चोरों की तलाश कर रही है। जल्द ही घटना का राजफाश किया जाएगा।

हाथरस वन विभाग परिसर में राष्ट्रीय ध्वज की अनदेखी, जनता में रोष

कूड़े के ढेर में पड़े राष्ट्रीय ध्वज

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान हर नागरिक का कर्तव्य है, लेकिन हाथरस वन विभाग परिसर में इस कर्तव्य की घोर अनदेखी देखने को मिली। विभाग परिसर में कूड़े के ढेर में दर्जनों राष्ट्रीय ध्वज बिखरे हुए मिले, जिनमें कुछ फटे और कई धूल से ढके थे। यह दृश्य एक नागरिक ने देखा और तुरंत अधिकारियों को सूचना दी, जिससे हड़कंप मच गया।जानकारी मिलने पर प्रभागीय वनाधिकारी ने तत्काल संज्ञान लिया और स्टाफ को मौके पर भेजकर सभी ध्वज सम्मानपूर्वक एकत्रित करने का निर्देश दिया। रेंजर द्वारा तत्काल कार्रवाई का आश्वासन देने के बावजूद 15-20 मिनट तक कोई कदम नहीं उठाए जाने पर नागरिक ने सीधे प्रभागीय वनाधिकारी को सूचित किया।यह घटना वन विभाग की राष्ट्र के प्रति संवेदनहीनता को उजागर करती है। देश में 'हर घर तिरंगा' अभियान चल रहा है, वहीं सरकारी विभाग में ही राष्ट्रीय ध्वज का अपमान होना निंदनीय है। विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है, ताकि भविष्य में ऐसी लापरवाही न दोहराई जाए।

14 मीटर जलस्तर बढ़ने से उफान पर आई चंबल

कोटा बैराज समेत नदियों का पानी आने से आया उफान, प्रशासनिक टीमें लगी निगरानी में, और बढ़ेगा जलस्तर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

पिनाहट। कोटा बैराज समेत अन्य सहायक नदियों का पानी चंबल में आने से चंबल का जलस्तर में अचानक करीब 14 मीटर की बढ़ोतरी हो गयी। जिसके बाद स्टीमर संचालन रोककर तटवर्ती गांवों को अलर्ट किया गया है। साथ ही प्रशासनिक टीमें लगातार निगरानी कर रही है।

शुक्रवार शाम करीब तीन बजे 111 मीटर बह रही चंबल नदी का जलस्तर शनिवार सुबह करीब 7 बजे 125 पर पहुंच गया। रात को जलस्तर सामान्य देखकर सोए लोगों ने सबेरे जब चंबल को उफनते देखा तो लोग सकते में पड़ गये कि एक ही रात में दस मीटर तक जलस्तर कैसे बढ़ सकता है। जो शाम करीब 8 बजे तक 124 मीटर के निशान को पार कर गया। जिससे चौबीस घंटे में नदी के जलस्तर में करीब 13 मीटर की बढ़ोतरी हुई है। कोटा बैराज से फोन पर बातचीत करने पर बताया गया है। कि काली सिंधु नदी एक लाख पैंतीस हजार क्यूसेक और पार्वती नदी के साथ साथ कोटा बैराज से शुक्रवार शाम को करीब 25 हजार पानी नदी में छोड़ा गया है। जिससे नदी का जलस्तर बढ़ रहा है। कोटा बैराज से बताया गया कि मध्य प्रदेश राजस्थान में लगातार हो रही बारिश से डैम में झमता से अधिक पानी आ रहा है। इस कारण शनिवार को भी पानी नदी में छोड़ा जाएगा। जिससे नदी का जलस्तर अभी और बढ़ सकता है। वहीं नदी के बहाव की गति तेज होने के कारण जलस्तर अभी और बढ़ने की आशंका है। पिनाहट चंबल नदी घाट पर नहर विभाग की इमारत पर लगे मीटर के अनुसार चेतावनी का निशान 127 और खतरे का निशान 130 मीटर है। चंबल नदी में उफान के साथ ही शासन प्रशासन की टीमें निगरानी पर लग गयी है। शनिवार दोपहर करीब दो बजे एसडीएम बाह हेमंत कुमार राजस्व टीम के साथ पिनाहट घाट पहुंचे। जहां चंबल का निरीक्षण कर टीम को जरूरी निर्देश दिए हैं। वहीं तटवर्ती गांवों में राजस्व टीमें लगातार निगरानी कर रही है। नदी का जलस्तर 125 पर पहुंचते ही शनिवार को स्टीमर संचालन रोक दिया गया। जिससे मध्यप्रदेश की ओर आवागमन पर भी रोक लग गयी। आवागमन के लिए दोनों ओर से नदी पर पहुंचे लोग घंटों इंतजार के बाद वापस लौटते रहे हैं।

जिस तरह से चंबल के जलस्तर की गति चल रही है। जानकारों की माने तो उस हिसाब से रविवार शाम तक नदी एक बार फिर खतरे के निशान को पार करके 134 तक पहुंच सकती है। ऐसी स्थिति में बाह विधानसभा के ये गांव जिनमे उमरैठा पुरा, रैहा, बरैंडा, कछियारा, डगोंरा, रानीपुरा, भटपुरा,डालपुरा, झरना पुरा, गुढ़ा, गौहरा, भगवान पुरा बुरी तरह प्रभावित होते है। इन गांवों के सम्पर्क मांगों में पानी भरने से इनका तहशील मुख्यालय से सम्पर्क टूट जाता है।

एक राष्ट्र, एक चुनाव अभियान के लिए पंडित गोपाल अग्निहोत्री जिला संयोजक नियुक्त

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। छात्रों के लिए चलाए जा रहे एक राष्ट्र, एक चुनावह्व अभियान के तहत पंडित गोपाल अग्निहोत्री को हाथरस का जिला संयोजक नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान में उनके साथ अर्पित वर्मा और रोहित अग्रवाल सह संयोजक होंगे।गोपाल अग्निहोत्री ने बताया कि यह पहल देशभर में लोकसभा और विधानसभा चुनावों को एक साथ कराने के उद्देश्य से शुरू की गई है। इसका लक्ष्य प्रशासनिक दक्षता बढ़ाना और चुनावी खर्चों को कम करना है। साथ ही, यह युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर भी प्रदान करेगा।उन्होंने कहा कि इस योजना को लागू करने के लिए संवैधानिक संशोधन आवश्यक है और इसे सभी राज्य सरकारों, केंद्र शासित प्रदेशों और प्रमुख राजनीतिक दलों द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए। सबसे बड़ी चुनौती राज्य विधानसभाओं के कार्यकाल को लोकसभा के कार्यकाल के साथ संरेखित करना है।गोपाल अग्निहोत्री ने अपनी नियुक्ति पर कहा कि वह हाथरस के युवाओं के साथ मिलकर इस पहल को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

सपा कार्यकताओं ने वोट लिस्ट को लेकर भारत निर्वाचन आयोग को संबोधित एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। पटियाली तहसील में समाजसेवी अब्दुल हफीज गांधी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने उपजिलाधिकारी पटियाली प्रदीप कुमार विमल के माध्यम से मुख्य चुनाव आयुक्त, भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को ज्ञापन प्रेषित किया। यह ज्ञापन बिहार राज्य में संचालित ैप्त् (ैचमबपंस प्दजमदेपअम त्मअपेपवद) प्रक्रिया के विरोध में दिया गया, जिसे लोकतांत्रिक अधिकारों का खुला उल्लंघन और मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने की साजिश बताया गया। ज्ञापन के माध्यम से यह मांग की गई कि बिहार में मतदाता सूची से लाखों नामों को हटाने की इस अवैध प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाए और हटाए गए मतदाताओं की पूरी सूची तथा हटाने के कारण सार्वजनिक किए जाएं। इस दौरान समाजसेवी ने कहा प्रक्रिया वोटरों की संगठित चोरी है। यह लोकतंत्र और संविधान पर सीधा हमला है। गरीब, दलित, अल्पसंख्यक और हाशिए पर खड़े वर्गों को सुनियोजित तरीके से मताधिकार से वंचित किया जा रहा है। चुनाव आयोग को निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया अपनानी चाहिए, न कि किसी राजनीतिक दल को लाभ पहुंचाने का माध्यम बनना चाहिए। जिला उपाध्यक्ष ने कहा बिहार में चल रही यह प्रक्रिया केवल राजनीतिक स्वार्थ साधने के लिए की जा रही है। यदि इसे रोका नहीं गया तो भविष्य में उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में भी यही असंवैधानिक प्रयोग किया जाएगा। हम इस प्रक्रिया का पुरजोर विरोध करते हैं और निर्वाचन आयोग से मांग करते हैं कि इसे तुरंत प्रभाव से बंद किया जाए। पटियाली बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट कुंवर पाल सिंह यादव ने कहा किसी भी नागरिक का मताधिकार छीनना संविधान के अनुच्छेद 326 का उल्लंघन है। मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए कारणों का पारदर्शी ढंग से सार्वजनिक होना आवश्यक है। न्यायालय के निर्देशों की अवहेलना किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर दीपक यादव एडवोकेट, मोहम्मद शाहिद, राज बहादुर यादव, विनीत सविता, नदीम अहमद, रमन सिंह लोनिया, वसीम सैफी, नफीस खान सहित अनेक साथी मौजूद रहे।

सड़क पार कर रहे छात्र को तेज रफ्तार कार ने मारी जोरदार टक्कर, सीसीटीवी में कैद हादसा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। शनिवार दोपहर करीब तीन बजे कागारौल में स्थित एक लाइब्रेरी के पास सड़क पार कर रहे छात्र मनीष पुत्र राजपाल सिंह को आगरा की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि छात्र हवा में उछलकर दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना का पूरा मंजर पास के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। घटना के समय मनीष लाइब्रेरी में सिविल सेवा की तैयारी कर रहा था। जैसे ही वह लाइब्रेरी से बाहर आया और सड़क पार करने लगा, तेज रफ्तार कार ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर की तीव्रता इतनी अधिक थी कि छात्र दूर जाकर गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। कार में सवार लोग कैला देवी के दर्शन के लिए जा रहे थे। उन्होंने घटना के तुरंत बाद गाड़ी रोकी और घायल छात्र को अपनी कार से आगरा स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया। छात्र का इलाज अस्पताल में जारी है और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। हादसे की यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद होने से हादसे की सटीक जानकारी सामने आई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सड़क खतरनाक है और यहां तेज रफ्तार वाहनों के चलते लगातार हादसों का खतरा बना रहता है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और सड़क सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में कदम उठाने की बात भी कह रही है।

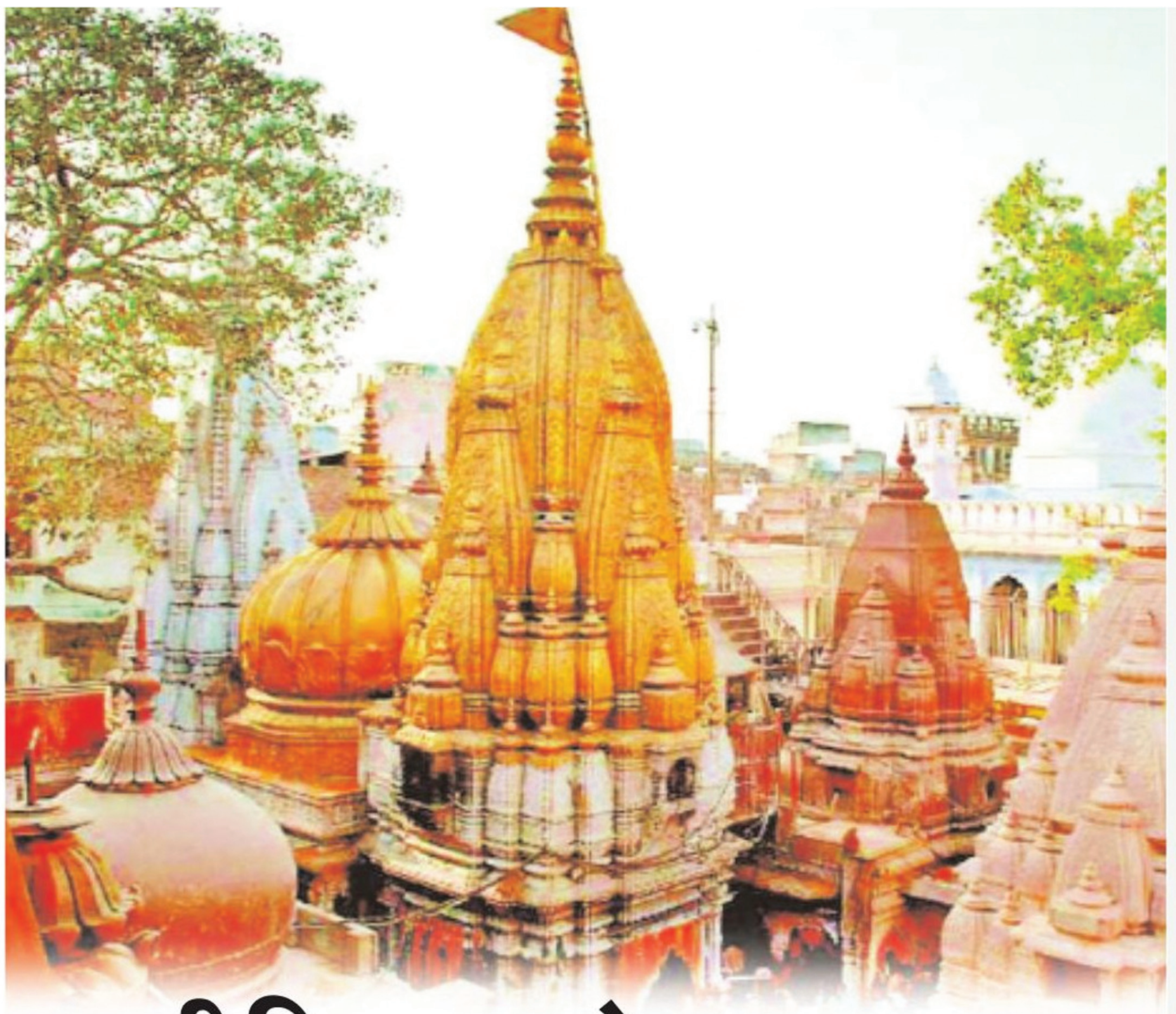

काशी विश्वनाथ के अनसुने रहस्य

बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग काशी में है जिसे बाबा विश्वनाथ कहते हैं। काशी को बनारस और वाराणसी भी कहते हैं। शिव और काल भैरव की यह नगरी अद्भुत है जिसे सप्तपुरियों में शामिल किया गया है। दो नदियों 'वरुणा' और 'असि' के मध्य बसे होने के कारण इसका नाम 'वाराणसी' पड़ा। आओ जानते हैं बाबा काशी विश्वनाथ के 10 अनसुने रहस्य।

त्रिशुल की नोक कर बसी है काशी
पुरी में जगन्नाथ है तो काशी में विश्वनाथ। भगवान शिव के त्रिशुल की नोक पर बसी है शिव की नगरी काशी।

भगवान शिव की सबसे प्रिय नगरी
भगवान शंकर को यह गद्दी अत्यन्त प्रिय है इसीलिए उन्होंने इसे अपनी राजधानी एवं अपना नाम काशीनाथ रखा है।

विष्णु की तभोभूमि
विष्णु ने अपने चिन्तन से यहां एक पुष्कर्णी का निर्माण किया और लगभग पचास हजार वर्षों तक वे यहां घोर तपस्या करते रहे।

सदाशिव ने की उत्पत्ति काशी की
शिवपुराण अनुसार उस कालरूपी ब्रह्म सदाशिव ने एक ही समय शक्ति के साथ 'शिवलोक' नामक क्षेत्र का निर्माण किया था। उस उत्तम क्षेत्र को 'काशी' कहते हैं। यहां शक्ति और शिव अर्थात कालरूपी ब्रह्म सदाशिव और दुर्गा यहां पति और पत्नी के रूप में निवास करते हैं।

ब्रह्मा विष्णु और महेष की उत्पत्ति
कहते हैं कि यहीं पर सदाशिव से पहले विष्णु, फिर ब्रह्मा, रुद्र और महेष की उत्पत्ति हुई।

काशी में मिलता है मोक्ष
ऐसी मान्यता है कि वाराणसी या काशी में मनुष्य के देहावसान पर स्वयं महादेव उसे मुक्तिदायक तारक मंत्र का उपदेश करते हैं। इसीलिए अधिकतर लोग यहां काशी में अपने जीवन का अंतिम वक्त बीताने के लिए आते हैं और मरने तक यहीं रहते हैं। इसके काशी में पर्याप्त व्यव्था की गई है। यह शहर सप्तमोक्षदायिनी नगरी में एक है।

उत्तरकाशी भी काशी
उत्तरकाशी को भी छोटा काशी कहा जाता है। ऋषिकेश उत्तरकाशी जिले का मुख्य स्थान है। उत्तरकाशी जिले का एक भाग बड़कोट एक समय पर गढ़वाल राज्य का हिस्सा था। बड़कोट आज उत्तरकाशी का काफी महत्वपूर्ण शहर है। उत्तरकाशी की भूमि सदियों से भारतीय साधु-संतों के लिए आध्यात्मिक अनुभूति की और तपस्या स्थली रही है। महाभारत के अनुसार उत्तरकाशी में ही एक महान साधु जड़ भारत ने यहां घोर तपस्या की थी। स्कंद पुराण के केदारखंड में उत्तरकाशी और भागीरथी, जाह्नवी व भीलगंगा के बारे में वर्णन है।

ज्योतिर्लिंग
द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख काशी विश्वनाथ मंदिर अनादिकाल से काशी में है। ह स्थान शिव और पार्वती का आदि स्थान है इसीलिए आदिलिंग के रूप में अविमुक्तेश्वर को ही प्रथम लिंग माना गया है। इसका उल्लेख महाभारत और उपनिषद में भी किया गया है। 1460 में वाचस्पति ने अपनी पुस्तक 'तीर्थ चिंतामणि' में वर्णन किया है कि अविमुक्तेश्वर और विशेश्वर एक ही शिवलिंग है।

विष्णु की पुरी
पुराणों के अनुसार पहले यह भगवान विष्णु की पुरी थी, जहां श्रीहरि के आनंदाश्रु गिरे थे, वहां बिंदु सरोवर बन गया और प्रभु यहां 'बिंधुमाधव' के नाम से प्रतिष्ठित हुए। महादेव को काशी इतनी अच्छी लगी कि उन्होंने इस पावन पुरी को विष्णुजी से अपने नित्य आवास के लिए मांग लिया। तब से काशी उनका निवास स्थान बन गई।

धनुषाकारी है यह नगरी
पतित पावनी भागीरथी गंगा के तट पर धनुषाकारी बसी हुई है जो पाप-नाशिनी है।

हिन्दू धर्म में क्यों महत्व है लाल रंग का

वैज्ञानिकों के अनुसार रंग तो मूलतः पांच ही होते हैं- कला, सफेद, लाल, नीला और पीला। काले और सफेद को रंग मानना हमारी मजबूरी है जबकि यह कोई रंग नहीं है। इस तरह तीन ही प्रमुख रंग बच जाते हैं- लाल, पीला और नीला। आपने आग जलते हुए देखी होगी- उसमें यह तीन ही रंग दिखाई देते हैं। हिन्दू धर्म में इन तीनों ही रंगों को महत्व है, क्योंकि इन्हीं में हरा, केसरिया, नारंगी आदि रंग समाए हुए हैं। लाल रंग के अंतर्गत सिंदुरिया, केसरिया या भगवा का उपयोग भी कर सकते हैं।

- हिन्दू धर्म अनुसार लाल रंग उत्साह, सौभाग्य, उमंग, साहस और नवजीवन का प्रतीक है। लाल रंग उग्रता का भी प्रतीक है।
- यह रंग अग्नि, रक्त और मंगल ग्रह का रंग भी है।
- हिन्दू धर्म में विवाहित महिला लाल रंग की साड़ी और हरी चूड़ियां पहनती है।
- प्रकृति में लाल रंग या उसके ही रंग समूह के फूल अधिक पाए जाते हैं।
- लाल रंग माता लक्ष्मी को पसंद है। मां लक्ष्मी लाल वस्त्र पहनती हैं और लाल रंग के कमल पर शोभायमान रहती हैं।
- रामभक्त हनुमान को भी लाल व सिन्दूरी रंग प्रिय हैं इसलिए भक्तगण उन्हें सिन्दूर अर्पित करते हैं।
- मां दुर्गा के मंदिरों में आपको लाल रंग की ही अधिकता दिखाई देगी।
- लाल के साथ भगवा या केसरिया सूर्योदय और सूर्यास्त का रंग भी है।
- यह रंग चिरंतन, सनातनी, पुनर्जन्म की धारणाओं को बताने वाला रंग है।
- विवाह के समय दुल्हन लाल रंग की साड़ी ही पहनती है और दूल्हा भी लाल या केसरी रंग की पगड़ी ही धारण करता है, जो उसके आने वाले जीवन की खुशहाली से जुड़ी है।
- केसरिया रंग त्याग, बलिदान, ज्ञान, शुद्धता एवं सेवा का प्रतीक है। शिवाजी की सेना का ध्वज, राम, कृष्ण और अर्जुन के रथों के ध्वज का रंग केसरिया ही था। केसरिया या भगवा रंग शौर्य, बलिदान और वीरता का प्रतीक भी है।
- सनातन धर्म में केसरिया रंग उन साधु-संन्यासियों द्वारा धारण किया जाता है, जो मुमुक्षु होकर मोक्ष के मार्ग पर चलने लिए कृतसंकल्प होते हैं। ऐसे संन्यासी खुद और अपने परिवारों के सदस्यों का पिंडदान करके सभी तरह की मोह-माया त्यागकर आश्रम में रहते हैं। भगवा वस्त्र को संयम, संकल्प और आत्मनियंत्रण का भी प्रतीक माना गया है।

पूजाघर में रखी गरुड़ घंटी के राज

मंदिर के द्वार पर और विशेष स्थानों पर घंटी या घंटे लगाने का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। मंदिर या घर के पूजाघर में आपने देखा होगा गरुड़ घंटी को। आओ जानते हैं इस घंटी के राज और पूजाघर में रखने के 5 फायदे।

- हिंदू धर्म अनुसार सृष्टि की रचना में ध्वनि का महत्वपूर्ण योगदान मानता है। ध्वनि से प्रकाश की उत्पत्ति और बिंदु रूप प्रकाश से ध्वनि की उत्पत्ति का सिद्धांत हिंदू धर्म का ही है। इसीलिए घंटी रूप में ध्वनि को मंदिर या पूजाघर में रखा जाता है।
- जब सृष्टि का प्रारंभ हुआ तब जो नाद था, घंटी की ध्वनि को उसी नाद का प्रतीक माना जाता है।
- घटी के रूप में सृष्टि में निरंतर विद्यमा नाद ओंकार या की तरह है जो हमें यह मूल तत्व की याद दिलाता है।
- घंटियां 4 प्रकार की होती हैं :- 1.गरूड़ घंटी, 2. द्वार घंटी, 3 हाथ घंटी और 4.घंटा।
- गरूड़ घंटी छोटी-सी होती है जिसे एक हाथ से बजाया जा सकता है।
- द्वार घंटी द्वार पर लटकी होती है। यह बड़ी और छोटी दोनों ही आकार की होती है।
- हाथ घंटी पीतल की ठोस एक गोल प्लेट की तरह होती है जिसको लकड़ी के एक गद्दे से ठोककर बजाते हैं।
- घंटा बहुत बड़ा होता है। कम से कम 5 फुट लंबा और चौड़ा। इसको बजाने के बाद आवाज कई किलोमीटर तक चली जाती है।
- भगवान गुरुढ़ के नाम पर है गुरुढ़ घंटी जिस का मुख गुरुण के समान ही होता है। भगवान गरुड़ को विष्णु का वाहन और द्वारपाल माना जाता है। अधिकतर मंदिरों में मंदिर के बाहर आपको द्वार पर गरुड़ भगवान की मूर्ति मिलेगी। दक्षिण भारत के मंदिरों में अक्सर इसे देखा जा सकता है।
- घंटी या घंटे को काल का प्रतीक भी माना गया है। ऐसा माना जाता है कि जब प्रलय काल आएगा तब भी इसी प्रकार का नाद यानि आवाज प्रकट होगी

फायदे
- घंटी विशेष प्रकार का नाद होता है जो आसपास के वातावरण को शुद्ध करता है। इससे वातावरण हमेशा शुद्ध और पवित्र बना रहता है। ऐसा कहते हैं कि घंटी बजाने से वातावरण में एक कंपन पैदा होता है। इस कंपन के वायुमंडल में फैलने से जीवाणु, विषाणु इस तरह के सूक्ष्म जीव आदि नष्ट हो जाते हैं और वातावरण शुद्ध हो जाता है।
- घर के पूजाघर या मंदिर में प्रात: और संध्या को ही आरती करते वक्त घंटी बजाने का नियम है। वह भी लयपूर्ण। इससे हमारा मन शांत होकर तनाव हट जाता है।
- जिन स्थानों पर घंटी बजने की आवाज नियमित आती है वहां से नकारात्मक शक्तियां हटती है। नकारात्मकता हटने से समृद्धि के द्वारा खुलते हैं। इससे सभी तरह के वास्तुदोष भी दूर हो जाते हैं।
- स्कंद पुराण के अनुसार घंटी बजाने से मानव के सौ जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं।
- यह भी कहा जाता है कि घंटी बजाने से देवताओं के समक्ष आपकी हाजिरी लग जाती है।

तुंगविद्या की वीणा की धुन पर नाचते थे श्रीकृष्ण

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार श्रीजी राधारानी की 8 सखियां थीं। अष्टसखियों के नाम हैं- 1.ललिता, 2.विशाखा, 3.चित्रा, 4. इंदुलेखा, 5.चंपकलता, 6.रंगदेवी, 7.तुंगविद्या और 8.सुदेवी। राधारानी की इन आठ सखियों को ही ''अष्टसखी'' कहा जाता है। श्रीधाम वृंदावन में इन अष्टसखियों का मंदिर भी स्थित है। आओ इस बार जानते हैं तुंगविद्या के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- सखी तुंगविद्या नृत्य तथा गायन करके श्रीराधा और कृष्ण का मनोरंजन करती हैं।
- इन्हें माता पार्वती गौरी मां का अवतार माना जाता है।
- तुंगविद्या सखी 18 वेद विद्याओं में पारंगत है।
- ये वीणा बजाना भी जानती हैं और नाट्यशास्त्र एवं रसशास्त्र में भी कुशल है।
- इनकी माता का नाम मेघा, पिता का नाम पुष्कर और पति का नाम बालिश है। कुछ जगहों पर इनके पिता का नाम अंगद एवं माता का नाम ब्रह्मकर्णी बताया जाता है।
- कहते हैं कि श्रीकृष्ण तुंगविद्या की विणा पर नाचते थे।
- बरसाना से दक्षिण दिशा में छह किलोमीटर दूर सखी तुंग विद्या का गांव डभाला है। वहीं बरसाना से 8 किलोमीटर दक्षिण दिशा में स्थित राकोंली गांव रंगदेवी सखी का गांव है।
- पहाड़ी पर इनका मंदिर है। तुंगविद्या सखी पीले रंग के परिधान धारण कर भक्तों को दर्शन देती हैं।
- इनका जन्म भाद्रपद शुक्लपक्ष पंचमी को हुआ था।
- राधाजी से पांच दिन छोटी हैं रंगदेवी और तीन दिन बढ़ी है तुंग विद्या।

कुल देवी या देवता को 4 उपाय से मनाएं और संकटों से मुक्ति पाएं

भारत में कई समाज या जाति के कुलदेवी और देवता होते हैं। भारतीय लोग हजारों वर्षों से अपने कुलदेवी और देवता की पूजा करते आ रहे हैं। हालांकि आजकल अधिकतर परिवार ने अपाने कुलदेवी और कुल देवताओं को पूजना या उनको याद करना छोड़ दिया है। संभवत: इसी के कारण वे घोर संकट में घिरे हुए हैं। यदि ऐसा है तो 4 उपाय करें और संकटों से मुक्ति पाएं।

- जन्म, विवाह आदि मांगलिक कार्यों में कुलदेवी या देवताओं के स्थान पर जाकर उनकी पूजा की जाती है या उनके नाम से स्तुति की जाती है। कुलदेवी की कृपा का अर्थ होता है सौ सुनार की एक लोहार की। बिना कुलदेवी कृपा के किसी के कुल का वंश ही क्या कोई नाम, यश आगे बढ़ नहीं सकता। अत: कुल देवी और देवता के लिए प्रतिदिन सुबह और शाम को भोग निकालें और उनके नाम का उच्चारण करें। स्थान का नाम भी नहीं मालूम हो तो तो हे माता कुलदेवी और कुलदेवता आपकी सदा विजयी हो। दुर्गा माता की जय, भैरू महाराज की जय।
- एक ऐसा भी दिन होता है जबकि संबंधित कुल के लोग अपने देवी और देवता के स्थान पर इकट्ठा होते हैं। जिन लोगों को अपने कुलदेवी और देवता के बारे में नहीं मालूम है या जो भूल गए हैं, वे अपने कुल की शाखा और जड़ों से कट गए हैं। कुलदेवी या कुल देवता के स्थान से आपके पूर्वजों का पता लगता है। जिसे यह नहीं याद है वे भैरू महाराज और दुर्गा माता के मंदिर में जाकर उनके नाम का भोज चढ़ाएं और पूजा करें।
- कुल देवी या देवता के स्थान पर जाकर एक साबूत नींबू लें और उसको अपने उपर से 21 बार वार कर उसे दो भागों में काटकर एक भाग को दूसरे भाग की दिशा में और दूसरे भाग को पहले भाग की दिशा में फेंक दें। इसके बाद कुलदेवी या देवता से क्षमा मांग कर वहां अच्छे से पूजा पाठ करें या करवाएं और सभी को दान-दक्षिणा दें।
- कुलदेवता की पूजा करते समय शुद्ध देसी घी का दीया, धूप, अगरबत्ती, चंदन और कपूर जलाना चाहिए साथ ही प्रसाद स्वरूप भोग भी लगाना चाहिए। कुलदेवता को चंदन और चावल का टीका अर्पण करते समय ध्यान रखें की टूटे हुए या खंडित चावल ना हो। कुलदेवता को हल्दी में लिपटे पीले चावल पानी में भिगोकर अर्पण करना शुभ माना जाता है। पूजा के समय पान के पत्ते का बहुत महत्व है जिसके साथ सुपारी, लौंग, इलायची और गुलकंद भी अर्पण करना चाहिए। कुलदेवी या देवता को पुष्प चढ़ाते हुए आपको इन्हें पानी में अच्छी तरह से धोना चाहिए। सभी देवी-देवताओं की पूजा जिस तरह सुबह-शाम की जाती है, उसी तरह कुलदेवी और देवता की पूजा भी दीपक जलाकर करनी चाहिए।

चरणामृत सेवन के चमत्कारिक फायदे

हिन्दू धर्म में पंचामृत या चरणामृत के साथ तुलसी का सेवन जरूरी है। हर मंदिर में आपको चरणामृत तो मिलेगा पर पंचामृत कम ही मिलेगा। पंचामृत किसी तीज त्योहार पर बनाया जाता है। हालांकि कुछ मंदिरों में प्रतिदिन ही पंचामृत का प्रसाद बंटता है। आओ जानते हैं कि क्या है चरणामृत सेवन के लाभ।

कैसे बनता चरणामृत : तांबे के बर्तन में चरणामृतरूपी जल रखने से उसमें तांबे के औषधीय गुण आ जाते हैं। चरणामृत में तुलसी पत्ता, तिल और दूसरे औषधीय तत्व मिले होते हैं। मंदिर या घर में हमेशा तांबे के लोटे में तुलसी मिला जल रखा ही रहता है।

चरणामृत लेने के नियम : चरणामृत ग्रहण करने के बाद बहुत से लोग सिर पर हाथ फेरते हैं, लेकिन शास्त्रीय मत है कि ऐसा नहीं करना चाहिए। इससे नकारात्मक प्रभाव बढ़ता है। चरणामृत हमेशा दाएं हाथ से लेना चाहिए और श्रद्धाभक्तिपूर्वक मन को शांत रखकर ग्रहण करना चाहिए। इससे चरणामृत अधिक लाभप्रद होता है।

चरणामृत सेवन के **चमत्कारिक फायदे** :

- शास्त्रों में कहा गया है- अकालमृत्युहरणं सर्वव्याधिविनाशनम्। विष्णो पादोदकं पीत्वा पुनर्जन्म न विद्यते।।
  अर्थात : भगवान विष्णु के चरणों का अमृतरूपी जल सभी तरह के पापों का नाश करने वाला है। यह औषधि के समान है। जो चरणामृत का सेवन करता है उसका पुनर्जन्म नहीं होता है।
- चरणामृत का जल का सेवन करने से कभी भी कैंसर नहीं होगा और न ही किसी भी प्रकार का अन्य रोग।
- तुलसी का पौधा एक एंटीबायोटिक मेडिसिन होता है। इसके सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होती है, बीमारियां दूर भागती हैं और शारीरिक द्रव्यों का संतुलन बना रहता है।
- आयुर्वेद की दृष्टि से चरणामृत स्वास्थ्य के लिए बहुत ही अच्छा माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार तांबे में अनेक रोगों को नष्ट करने की क्षमता होती है।
- आयुर्वेद के अनुसार यह पौरूष शक्ति को बढ़ाने में भी गुणकारी माना जाता है।
- तुलसी के इस रस से कई रोग दूर हो जाते हैं और इसका जल मस्तिष्क को शांति और निश्चिंतता प्रदान करता हैं।
- स्वास्थ्य लाभ के साथ ही साथ चरणामृत बुद्धि, स्मरण शक्ति को बढ़ाने भी कारगर होता है।

पॉडकास्ट शो 'ऑल अबाउट हर' की मेजबानी करेंगे सोहा अली खान

बालीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान अपनी पॉडकास्ट सीरीज 'ऑल अबाउट हर' की मेजबानी करने जा रही हैं। इस पॉडकास्ट शो का प्रीमियर 22 अगस्त से यूट्यूब पर होगा। यह महिला-केंद्रित शो होगा जिसमें महिलाओं से जुड़े मुद्दों और उनकी कहानियों को प्रमुखता दी जाएगी। इस पॉडकास्ट में विभिन्न क्षेत्रों की नामी महिलाएं मेहमान बनकर आएंगी। मलाइका अरोड़ा, करीना कपूर खान, स्मृति ईरानी, राधिका गुप्ता, पत्रलेखा, सनी लियोन जैसी जानी-मानी हस्तियां इसमें शामिल होंगी। वहीं, चिकित्सा और स्वास्थ्य जगत से डॉ. किरण कोएल्हो, डॉ. रंजना धनु और रुजुता दिवेकर जैसी विशेषज्ञ भी इसमें हिस्सा लेंगी। शो में कामकाजी महिलाओं की चुनौतियां, घर और दफ्तर के बीच संतुलन, निवेश और फाइनेंशियल इंडिपेंडेंस के तरीके, मानसिक स्वास्थ्य जैसे अहम विषयों पर खुलकर बातचीत होगी। सोहा अली खान ने इस शो को लेकर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, 卐पिछले कुछ सालों में मैंने महसूस किया कि महिलाएं जीवन में कई बदलावों से गुजरती हैं शारीरिक, मानसिक, मातृत्व, काम और व्यक्तिगत संतुलन जैसे पहलुओं पर। लेकिन अक्सर इन्हें अनदेखा कर दिया जाता है। हमें मजबूत बनने के लिए कहा जाता है, लेकिन अपनी कमजोरी दिखाने की इजाजत नहीं होती। हमें आगे बढ़ने को कहा जाता है, लेकिन आवाज उठाने की हिम्मत नहीं दी जाती। 'ऑल अबाउट हर' के जरिए मैं इसे बदलना चाहती हूं।' सोहा ने आगे कहा कि उनका उद्देश्य एक ऐसा मंच देना है जहां महिलाएं बिना किसी हिचकिचाहट, आलोचना या रोक-टोक के अपनी बात कह सकें। उन्होंने कहा, 'मैं चाहती थी कि यह बातचीत सहज, ईमानदार और कभी-कभी असहज भी हो, लेकिन अंत में हीलिंग का अनुभव दे।'

बागी-4 का रोमांटिक गाना 'गुजारा' रिलीज, फैंस का जीता दिल

बॉलीवुड फिल्म 'बागी-4' में जबर्दस्त अभिनय को लेकर अभिनेता टाइगर श्रॉफ जबरदस्त चर्चा में हैं। फिल्म का टीजर हाल ही में लॉन्च हुआ था। अब फिल्म का पहला रोमांटिक गाना 'गुजारा' रिलीज कर दिया गया है। यह गाना आज टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर जारी हुआ, जिसने रिलीज के साथ ही फैंस का दिल जीत लिया। इस गाने में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आ रही हैं मिस यूनिवर्स रह चुकीं हरनाज संधू। दोनों के बीच की रोमांटिक केमिस्ट्री ने दर्शकों को बेहद प्रभावित किया है। गाने की कहानी रॉनी यानी टाइगर श्रॉफ और उनकी प्रेमिका के इर्द-गिर्द घूमती है। रॉनी अपने प्यार के लिए किसी भी हद तक जाने और सब कुछ कुर्बान करने को तैयार दिखते हैं। इससे साफ हो गया है कि फिल्म में एक्शन और ड्रामा के साथ-साथ एक खूबसूरत लव स्टोरी भी देखने को मिलेगी।

'गुजारा' गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा। दर्शकों ने इसकी धुन, बोल और रोमांटिक अंदाज की जमकर तारीफ की। इसे आवाज दी है जोश बरार और परंपरा ठाकुर ने, जबकि इसके बोल जगदीप और कुमार ने लिखे हैं। संगीतकार हैं सलामत अली मतोई और जोश बरार। गाने की शूटिंग शानदार लोकेशंस पर हुई है, जो इसे और भी आकर्षक बना देती है। फिल्म की कहानी और पटकथा लिखी है साजिद नाडियाडवाला ने, जबकि निर्देशन की जिम्मेदारी ए. हर्ष के पास है। मेकर्स का कहना है कि 'बागी-4' अब तक की सबसे बड़ी और रोमांचक किस्त होगी, जिसमें धमाकेदार एक्शन, इमोशंस और अराजकता से भरी कहानी देखने को मिलेगी।

गाने की सफलता पर गायक जोश बरार ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, 卐जब पहली बार यह गाना साजिद नाडियाडवाला और भूषण कुमार ने सुना, तब ही उन्होंने तय कर लिया था कि इसे 'बागी-4' में जगह दी जाएगी। यह मेरे लिए बहुत बड़ा मौका है और मैं टाइगर और हरनाज का आभारी हूं, जिन्होंने गाने में जान डाल दी।卐 फैंस अब फिल्म के बाकी गानों और ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

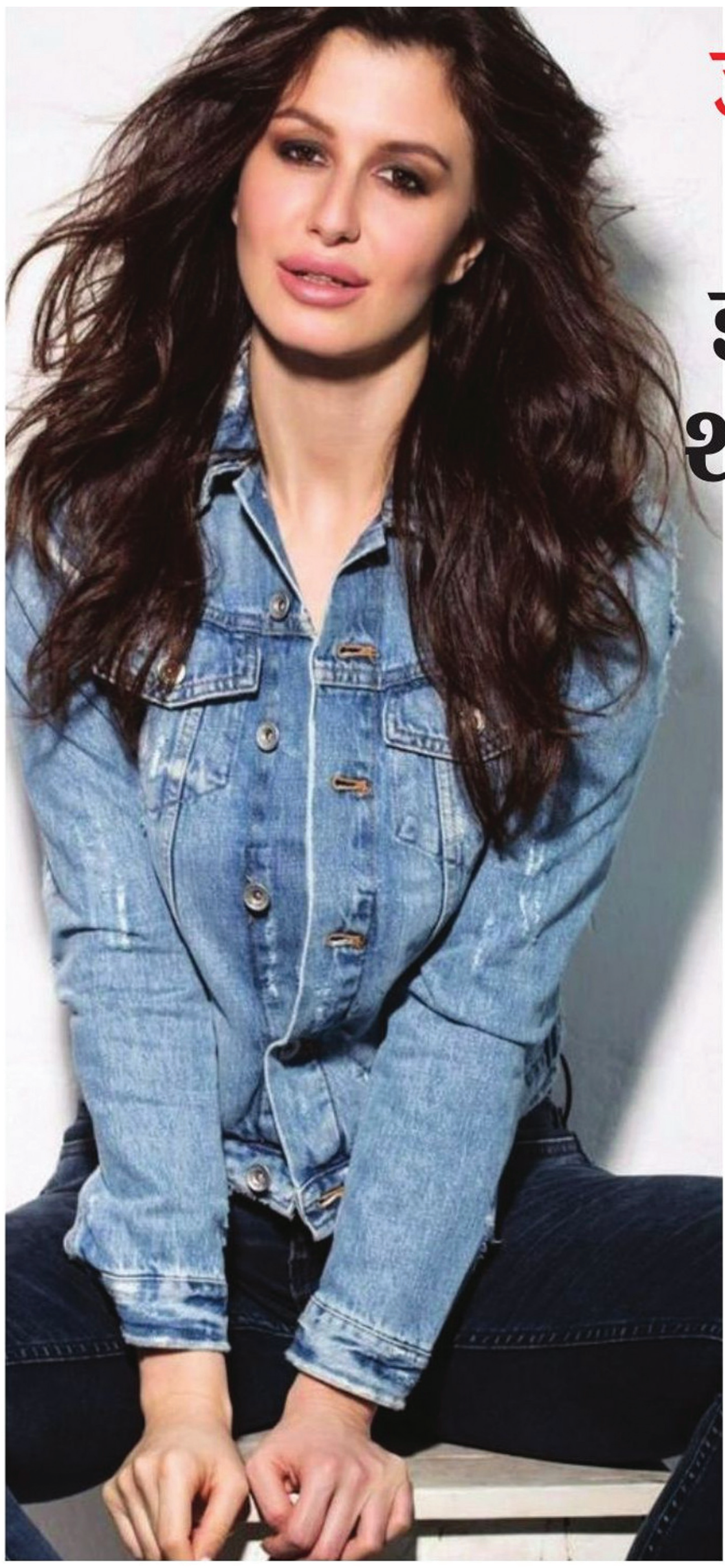

जॉर्जिया के फैशन में झलकता है शाही अंदाज

हॉलीवुड अभिनेत्री जॉर्जिया एंड्रियानी इंडो-इटैलियन चार्म और फैशन स्टाइल के लिए जाना जाता है। उनके फैशन में ही का शाही अंदाज़ झलकता है। इसकी घेरदार स्कर्ट पर सुनहरी ज़री और पारंपरिक मोटिफ्स इसे त्योहारों और शादी समारोह के लिए परफेक्ट बनाते हैं। वहीं, मस्टर्ड येलो लहंगे पर सोने की बारीक कढ़ाई और केप-स्टाइल दुपट्टा, लुक को भव्य और मॉडर्न टच देता है। उनका बरगंडी-गोल्ड लहंगा दुल्हन के फैशन का क्लासिक उदाहरण है। सिर पर दुपट्टे और ज्वेल टोन डिटेलिंग ने इसे ऑथेंटिक और रोमांटिक दोनों बना दिया। इसी तरह, पिंक, ब्लू, सिल्वर और गोल्ड का मल्टीकलर्ड लहंगा उनकी एक्सपेरिमेंटल स्टाइल को सामने लाता है। डिटैच्ड स्लीव्स और मॉडर्न ड्रेपिंग इसे मॉडर्न ब्राइड्स के लिए खास बनाती है। ऑम्ब्रे लहंगा, पारंपरिक सोने की कढ़ाई और गहरे रंगों के साथ, जॉर्जिया की क्लासिक फैशन समझ को उजागर करता है। स्टेटमेंट ज्वेलरी और आत्मविश्वास भरी स्टाइलिंग उनके हर लुक को आकर्षक बनाती है। जॉर्जिया का यह कलेक्शन दिखाता है कि कैसे पारंपरिक भारतीय फैशन को आधुनिक फ्लेयर और पर्सनल स्टाइल के साथ खूबसूरती से अपनाया जा सकता है। यही संतुलन उन्हें एक सच्चा फैशन आइकन बनाता है। बता दें कि जॉर्जिया एंड्रियानी अपने इंडो-इटैलियन चार्म और फैशन स्टाइल के लिए जानी जाती हैं। पारंपरिक भारतीय पहनावे को आधुनिक अंदाज़ में पेश करने की उनकी कला उन्हें बाकी से अलग पहचान देती है। खासतौर पर लहंगे को उन्होंने केवल रस्मों तक सीमित न रखकर, आत्मविश्वास और पर्सनल स्टाइल का प्रतीक बना दिया है। उनके कलेक्शन में अलग-अलग तरह के लहंगे देखने को मिलते हैं। कोरल रेड लहंगा, जिसमें सुनहरी कढ़ाई और घेरदार स्कर्ट है, क्लासिक ब्राइडल एलीगेंस को बखूबी दर्शाता है। वहीं, काले और सफेद ज्यामितीय प्रिंट वाला लहंगा एक फन और फ्रेश ट्विस्ट देता है, जो यह साबित करता है कि पारंपरिक आउटफिट्स आरामदायक भी हो सकते हैं।

मैडॉक फिल्म्स की आगामी फिल्म 'थामा' का टीजर रिलीज

मैडॉक फिल्म्स ने अपनी अगली फिल्म 'थामा' का टीजर रिलीज कर दिया गया है। करीब 1 मिनट 49 सेकंड लंबे इस टीजर की शुरुआत घने जंगल के सीन से होती है, जहां आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना रोमांटिक पलों में नजर आते हैं। इसी बीच बैकग्राउंड से आवाज आती है, 卐रह पाओगी मेरे बिना? 100 साल तक?卐 जिस पर रश्मिका जवाब देती हैं, 卐100 साल तो क्या, एक पल के लिए भी नहीं।卐 इसके बाद कहानी अचानक रोमांस से निकलकर डर और थ्रिल की ओर मुड़ जाती है। टीजर में आयुष्मान खतरनाक ताकतों और जंगली जानवरों से जूझते दिखते हैं, जबकि जंगल में अजीब और डरावनी घटनाएं घटती हैं। कई सीक्वेंस ऐसे हैं जो रोंगटे खड़े कर देते हैं। वहीं, टीजर में मलाइका अरोड़ा के डांस की झलक भी दिखाई गई है। फिल्म की स्टारकास्ट भी काफी दमदार है। आयुष्मान और रश्मिका के अलावा इसमें फैसल मलिक ('पंचायत' फेम प्रह्लाद चा), नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल जैसे अनुभवी कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। खासकर टीजर के अंत में नवाजुद्दीन डरावने लुक में दिखते हैं और कहते हैं, 卐पिछले 75 सालों से कोई रोमांस नहीं देखा मैंने... चालू रखो।卐 यह डायलॉग फिल्म के रोमांस और हॉरर दोनों पहलुओं को और भी दिलचस्प बनाता है। निर्देशक आदित्य सरपोतदार ने फिल्म का निर्देशन किया है। मैडॉक फिल्म्स ने इसे अपनी पहली हॉरर लव स्टोरी बताया है।

शीबा चड्ढा चाहती हैं अब चुनौतीपूर्ण किरदार

वेब सीरीज़ 'बकैती' में सुषमा कटारिया के किरदार से अभिनेत्री शीबा चड्ढा दर्शकों का दिल जीत रही हैं। अभिनेत्री मां की भूमिका में हमेशा की तरह अपने सहज लेकिन गहरे अभिनय से छाप छोड़ती हैं। उन्हें मां जैसे किरदारों में काफी सराहना मिली है, लेकिन अब शीबा खुद को और चुनौती देना चाहती हैं। उन्होंने कहा मैं खुश हूं कि मुझे अच्छे सेट्स और बेहतरीन लोगों के साथ काम करने का मौका मिलता है, यह मेरे लिए आशीर्वाद है। लेकिन अब मैं ऐसे किरदार निभाना चाहती हूं जो मां की भूमिका तक सीमित न हों, बल्कि कुछ अलग और दमदार कहानियां कहने का अवसर दें।

सीरीज़ की कहानी पुराने गाज़ियाबाद की गलियों में बसे एक मिडिल क्लास परिवार पर आधारित है। इसमें रोज़मर्रा की दिक्कतें, भाई-बहनों की नोकझोंक और परिवार का प्यार बड़े सच्चे अंदाज़ में दिखाया गया है। कहानी तब मोड़ लेती है जब नैना (तान्या शर्मा) को मजबूरी में अपने शरारती भाई भरत (आदित्य शुक्ला) के साथ कमरा शेयर करना पड़ता है और हालात धीरे-धीरे परिवार की शांति को हिला देते हैं। ऐसे में शीबा का किरदार भावनात्मक सहारा बनकर सामने आता है। निर्देशक अमित गुप्ता की इस सीरीज़ में शीबा के साथ राजेश तैलंग, तान्या शर्मा, आदित्य शुक्ला मुख्य भूमिकाओं में हैं।

हंसना-हंसाना छोड़ गए जसविंदर भल्ला

पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर कॉमेडियन और अभिनेता जसविंदर भल्ला का 65 साल की उम्र में निधन हो गया है। उनके निधन से पंजाबी सिनेमा और दर्शकों के बीच शोक की लहर है। अपनी अद्भुत कॉमिक टाइमिंग और शानदार अदाकारी के लिए जाने जाने वाले जसविंदर भल्ला ने गुरुवार की सुबह मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में अंतिम सांस ली। वे कुछ समय से बीमार चल रहे थे।

कॉमेडियन बनने से पहले प्रोफेसर थे

बहुत कम लोग जानते हैं कि जसविंदर भल्ला का करियर सिर्फ एक्टिंग तक सीमित नहीं था। उनका जन्म 4 मई 1960 को लुधियाना में हुआ था। उन्होंने पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (क्र) से अपनी क्र.स.ष और रूस.षकी पढ़ाई पूरी की और बाद में चौधरी चरण सिंह पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज मेरठ से पीएचडी भी की।

भल्ला ने अपना करियर क्रमें एक सहायक प्रोफेसर के रूप में शुरू किया था। अपनी सेवानिवृत्ति तक वे विस्तार शिक्षा विभाग में प्रोफेसर और प्रमुख के पद पर कार्यरत रहे।

ऑडियो कैसेट से शुरू हुआ कॉमेडी का सफर

जसविंदर भल्ला ने अपने पेशेवर कॉमेडी करियर की शुरुआत 1988 में अपने सहपाठी बाल मुकुंद शर्मा के साथ ऑडियो कैसेट 'छनकटा 1988' से की थी। यह सीरीज इतनी सफल रही कि उन्होंने इसकी 27 से भी ज्यादा ऑडियो और वीडियो एल्बम जारी किए। 'छनकटा' में 'चाचा चतर सिंह' और 'भाना' जैसे उनके किरदार बहुत मशहूर हुए जिनके माध्यम से उन्होंने पंजाबी समाज और राजनीति पर व्यंग्य किया।

उन्होंने 1998 में फिल्म 'छनकता 88' से एक हास्य कलाकार के रूप में पंजाबी सिनेमा में कदम रखा और फिर 'दुल्ला भट्टी' से एक मुख्य अभिनेता के रूप में अपनी पहचान बनाई।

परिवार और नेटवर्थ

जसविंदर भल्ला के पिता मास्टर बहादुर सिंह भल्ला भी एक शिक्षक थे। उनकी पत्नी परमदीप भल्ला एक फाइन आर्ट टीचर हैं। उनके दो बच्चे हैं- बेटा पुखराज भल्ला जो खुद एक एक्टर हैं और बेटी अशदीप कौर जिनकी शादी नॉर्वे में हुई है।

भल्ला ने अपने फिल्मी करियर में कई हिट फिल्में दीं जिनमें 'कैरी ऑन जट्टा', 'जट एंड जूलियट', 'मेल करा दे रब्बा' और 'जिह्ने मेरा दिल लुटेया' जैसी फिल्में शामिल हैं। फिल्मों में उनके कुछ खास डायलॉग्स, जैसे 'मैं ता भंदुउ बुल्लां नाल अखरोटे' और 'ढल्लों ने काला खाट ऐवें नी पेयया', दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हुए। पंजाबी इंडस्ट्री के जाने-माने चेहरे जसविंदर भल्ला की कुल संपत्ति करीब 87 मिलियन थी। उनका जाना पंजाबी मनोरंजन जगत के लिए एक बड़ा नुकसान है।

फोटोग्राफी के प्रति अपने शौक का खुलासा किया मृणाल ने

हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिन्हें उन्होंने खुद क्लिक किया है। एक्ट्रेस ने फोटोग्राफी के प्रति अपने शौक और नए सफर का खुलासा किया। मृणाल ने लिखा कि उन्होंने थोड़ी हिम्मत करके यह तस्वीरें पोस्ट की हैं और मजाकिया अंदाज में कहा कि शायद बाद में इन्हें डिलीट भी कर दें। उन्होंने आगे लिखा कि वह हमेशा से मानती रही हैं कि एक तस्वीर हजार शब्दों के बराबर होती है और जब से उन्होंने फोटोग्राफी को गंभीरता से लेना शुरू किया है, यह बात और भी सच लगने लगी है। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें फोटोग्राफी हमेशा से आकर्षित करती रही है और अब वह इसे और गहराई से समझना चाहती हैं। उनके मुताबिक, उनके अंदर हमेशा से कुछ नया सीखने और जानने की जिज्ञासा रही है।

पिछले साल जब उन्होंने अपना पहला कैमरा खरीदा, तो यह शौक और पुख्ता हो गया। हालांकि कैमरा खरीदने के साथ एक डर भी था कि कहीं इसे संभाल न पाएं या खराब न कर दें, लेकिन फिर उन्होंने खुद को समझाया कि कोशिश किए बिना कुछ हासिल नहीं होता। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड फोटोग्राफी डे आने वाला है, इसलिए उन्होंने अपनी खींची कुछ तस्वीरें अपने प्रशंसकों के साथ साझा करने का निर्णय लिया। मृणाल का मानना है कि यह सफर सिर्फ क्लिक करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें धैर्य, रुकना और ओवरथिंकिंग जैसी प्रक्रियाएं भी शामिल हैं। फोटोग्राफी में इस नए प्रयोग के साथ-साथ मृणाल अपने वर्कफ्रंट को लेकर भी चर्चा में हैं।

हाल ही में वह फिल्म 'सन ऑफ सरदार-2' में नजर आई थीं। अब वह अपनी अपकमिंग फिल्म 'डकैत' को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसमें उनके साथ साउथ इंडस्ट्री के लोकप्रिय अभिनेता अदिवी सेश मुख्य भूमिका निभाते दिखेंगे। फिल्म में दिग्गज फिल्ममेकर अनुराग कश्यप भी एक अहम रोल में दिखाई देंगे। इसे शनील देव ने निर्देशित किया है और सुप्रिया यारलागड्डा व सुनील नारंग के सहयोग से अन्नपूर्णा स्टूडियोज ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म इसी साल 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मृणाल की यह पहल उनके व्यक्तित्व के एक नए पहलू को सामने लाती है।

स्वामी मोर्निंग सिटी मल्टीमीडिया प्रा.लि. मुद्रक, प्रकाशक एवं प्रधान संपादक- सुशील कुमार सिंह (मोबाइल न. 8077588101), पुरराज प्रिंट एंड पैकिंग प्रा. लि., ई - 19 सेक्टर 6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से छपवाकर शॉप न. - 307, 308 एल्फा - 1 नीलकंठ प्लाजा, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित। (RNI No. UPHIN/2015/60949) (समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र गौतमबुद्धनगर होगा) प्रकाशिक सामग्री या विज्ञापन में संपादक / प्रकाशक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इससे संबंधित किसी भी प्रकार की कार्यवाही या पूछताछ प्रकाशन तिथि से तीन माह के अंदर की सकती है। ई-मेल-morningcityinput@gmail.com।